वर्ष : 16 ❖ अंक : 153 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
बुधवार, 12 जनवरी 2022

यूपी चुनाव से पहले बीजेपी में शुरु हुआ इस्तीफों का सिलसिला 3

होम आइसोलेशन में कोरोना रोगियों को योग करवाएगी दिल्ली 8

राज्य में राजनीतिक हिंसा जारी

एसकेएम नेता के बाहन में लगाई आग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 11 जनवरी । पिछले कुछ दिनों से राज्य में अशांति का माहौल है। इसे लेकर राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप चल रहा है लेकिन मामला सुलझता नहीं दिख रहा है।

पिछले दो दिनों में लगातार दक्षिण जिले के मल्ली विधानसभा क्षेत्र में विपक्षी पार्टी एसडीएफ और एसकेएम समर्थकों के बीच झड़प हुई। इन सबके बीच सोमवार रात को जूम सालघारी विधानसभा के जोरथांग में एक निजी वाहन में आग लगने की घटना सामने आई है। वाहन जूम सालघारी क्षेत्र के एसकेएम युवा संयोजक जोन सुब्बा की है। बताया जाता है कि किसी अज्ञात व्यक्ति इस वाहन को आग के हवाले कर दिया।

एसकेएम की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक एसके 04 पी 0144 एक्सयूवी-300 वाहन में रात के करीब एक बजे आग लगा दी गई। इसे लेकर वाहन मालिक ने जोरथांग थाने में एसडीएफ पार्टी कार्यकर्ताओं के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। जानकारी के मुताबिक आगलागी कांड में संलग्न होने के आरोप में एसडीएफ के युवा कार्यकर्ता केनन राई, मेकश छेत्री और सुनील लामा को नामजद किया गया है।

जोरथांग कांड को लेकर एसडीएफ पार्टी के प्रचार मामला सचिव विष्णु दुलाल ने भी एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर घटना की निंदा की है। उन्होंने विज्ञप्ति में उल्लेख किया है कि राज्य में आतंक फैलाने वालों पर प्रशासन कड़ी कार्यवाही करे। उन्होंने आगे लिखा है कि राज्य में प्रतिदिन ऐसी घटनाएं घट रही हैं, जो राज्य की शांतिपूर्ण छवि के खिलाफ है।

दूसरी ओर एसकेएम पार्टी के प्रवक्ता तथा मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग ने भी जोरथांग कांड की भर्त्सना की है। उन्होंने राज्य सरकार के मंत्री संजीत खरेल, मंत्री लोकनाथ शर्मा, विधायक सुनीता गजमेर के साथ ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ जोरथांग घटना पर चर्चा की। इसमें घटना के लिए एसडीएफ पार्टी को जिम्मेदार ठहराया गया। उन्होंने कहा कि पवन चामलिंग के दिल्ली से तीन महीने बाद सिक्किम लौटने पर ऐसी घटनाएं घट रही है।

वाहन जलाने की घटना निंदनीय : वंदना शर्मा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 11 जनवरी । जोरथांग में वाहन जलाने की घटना अत्यंत ही निंदनीय है। सत्तारूढ़ एसकेएम पार्टी इस घटना का राजनीतिकरण करते हुए इसके लिए एसडीएफ को जिम्मेदार ठहरा रही है जिसका पार्टी खंडन करती है। यह बात एसडीएफ की प्रवक्ता वंदना शर्मा ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही।

उन्होंने कहा कि यह एसकेएम पार्टी के घृणित चरित्र को सामने लाता है और यह बताता है कि उन्हें संविधान, कानून और विधि के शासन पर विश्वास नहीं है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के क्रम में बिना प्रमाण के इस आपराधिक कांड के लिए एसडीएफ को जिम्मेदार ठहराने का षडयंत्र रचा जा रहा है। सत्तासीन पार्टी के जांच की अवधि में इस आपराधिक कांड में बयानबाजी करना जांच को प्रभावित करेगा।

वंदना ने कहा कि एसडीएफ पार्टी नीति, सिद्धांत ओर नेता के जनमुखी दर्शन पर चलने वाली पार्टी है इसका हिंसा में कतई विश्वास नहीं है। इसने कभी भी हिंसा का समर्थन नहीं किया है। जोरथांग में हुई घटना की पार्टी घोर निंदा करती है। पार्टी यह मांग करती है कि घटना के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

'मेसासो इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड' पर सिक्किम नागरिक समाज ने दर्ज कराई प्राथमिकी

सरकार की ओर से दी गई जमीन का दुरुपयोग कर रही है कंपनी : शेरपा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 11 जनवरी । राज्य सरकार की ओर से विशेष आर्थिक क्षेत्र अंतर्गत औद्योगिक पार्क निर्माण के लिए आवंटित जमीन का 'मेसासो इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड' की ओर से कथित रूप से अवैध उपयोग करने के मामले को लेकर सिक्किम नागरिक समाज ने कंपनी के विरुद्ध रानीपुल थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। विवादित जमीन पूर्व जिले के रानीपुल के पास मार्चक परिसर में है।

उल्लेखीय है कि 'मेसासो इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड' वही कंपनी है जो गंगटोक स्थित पुराने वेस्ट प्वाइंट स्कूल की जमीन पर बहुमंजिला कार पार्किंग तथा व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स का निर्माण कर रही है। मेसासो द्वारा पीपीपी मोड पर निर्माणाधीन इस कार्य का सिक्किम नागरिक समाज की ओर से शुरु से ही विरोध किया जा रहा है। मेसासो कंपनी सिलीगुड़ी के एक व्यवसायी संजय मित्तल की है।

मंगलवार को जर्नलिस्ट यूनियन आफ सिक्किम (जेयूएस) के कार्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए नागरिक समाज के महासचिव तथा प्रवक्ता पासांग ग्याली शेरपा ने बताया कि इस विषय को लेकर पूर्व जिला के जिलाधिकारी को भी अवगत कराया गया है। उन्होंने कहा है कि यह जमीन राज्य के नवउद्यमी व्यवसायी युवाओं को दी जानी चाहिए थी लेकिन इस जमीन का बाहरी कंपनी अवैध रूप से प्रयोग कर रही है।

शेरपा ने आरोप लगाया कि सिक्किम सरकार राज्य के युवाओं को अवसर देने के बदले बाहरी कंपनियों को गोद ले रही है, इसी कारण राज्य में बाहरी लोगों का राज शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि जैसे मेसासो अवैध रूप से सरकारी जमीन कब्जा कर रही है इससे पता चलता है कि सिक्किम सरकार स्थानीय लोगों के नहीं बल्कि मेसासो और मित्तल के हाथ में है।

उन्होंने आगे कहा कि सिक्किम का अर्थतंत्र और विकास कार्य सभी बाहरी लोगों के हाथ में चला गया है। आर्थिक स्थिति और रोजगार के अभाव में स्थानीय युवा हिंसा पर उतारू हो गए हैं। दो दिन पहले मल्ली और सदाम में हुई घटना को उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को राजनीतिक दल का झंडा ढोने के लिए ही प्रयोग किया जा रहे है। युवा वर्ग राजनीतिक पार्टी के लिए पत्थर मारने वाली शक्ति बन गई है। उन्होंने अपील की कि पत्थर उठाने वाली शक्ति का सिक्किम निर्माण के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए।

उन्होंने युवाओं से भी सचेत रहने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अगर राज्य के युवा सचेत नहीं रहेंगे तो सिक्किम के राज्य से पश्चिम बंगाल का जिला बनने की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी, जिसे नकारा नहीं जा सकता। इसकी पुष्टि करते हुए उन्होंने सिक्किम सरकार के एक सचिव द्वारा सोशल मीडिया पर किए पोस्ट को भी साझा किया। सरकार के एक सचिव ने लिखा था कि राज्य की आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है। निकट भविष्य में सिक्किम के लिए पश्चिम बंगाल का एक जिला बनना ही विकल्प रहेगा।

दंपत्ति के हत्या मामले का पर्दाफाश, आरोपी गिरफ्तार

अनुगामिनी का.सं.

कालिम्पोंग, 11 जनवरी । कालिम्पोंग पुलिस ने कालिम्पोंग के लोअर टासिडिंग में हाल ही में हुई एक दंपति की हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान कृष्णा प्रधान उर्फ़ टंक के रूप में की गई है जो तीन माइल का रहने वाला है। सूत्रों के मुताबिक उसे पुलिस ने सोमवार रात को गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार 33 वर्षीय आरोपी कृष्ण प्रधान ने दंपति की हत्या करने की बात कबूल कर ली है। आरोपी को आज कालिम्पोंग जिला न्यायालय में पेश किया गया।

ज्ञात हो कि टासिडिंग में एक दंपति खड़गा बहादुर खड़का उर्फ शंभू छेत्री और विष्णु छेत्री की 28 दिसंबर को बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। दंपति की हत्या के प्रकाश में आने के कुछ देर बाद ही कालिम्पोंग पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की थी। पुलिस दो सप्ताह के भीतर आरोपी को गिरफ्तार करने में सफल रही है।

हत्या कर आरोपी 60 हजार रुपये, एक सोने की चेन एवं दो सोने की अंगूठी लेकर फरार हो गया था। पुलिस की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है की आरोपी ड्रग एडिक्ट है जो छह दिसंबर को रिहैबिलिटेशन सेंटर से निकला था। पैसे नहीं होने की वजह से उसने पहले अपने साथियों के साथ हमला करने का ख़्लान बनाया था परन्तु साथियों के इनकार करने के बाद उसने अकेले हत्या को अंजाम दिया और लूटपाट की। घटना की जांच जिला थाना के एसआई ओंगचुक तामांग ने करते हुए दो सप्ताह के अंदर आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

एसडीएफ ने की पवन चामलिंग की सुरक्षा बढ़ाने की मांग

पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी को सौंपा ज्ञापन

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 11 जनवरी । राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) ने पार्टी अध्यक्ष तथा पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग को विशेष सुरक्षा देने की मांग की है। इसे लेकर पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को एक ज्ञापन सौंपा।

एसडीएफ पार्टी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उल्लेख किया गया है कि उक्त ज्ञापन लेकर पांच सदस्यीय टोली डीजीपी कार्यालय पहुंची थी। इस टोली में पूर्व विधायक मिचुंग भूटिया, पार्टी के प्रवक्ता एमके सुब्बा, मीडिया समन्वयक किशोर खड़का और टाशी भूटिया थे।

विज्ञप्ति में आगे कहा गया है एसडीएफ पार्टी अध्यक्ष पवन चामलिंग दक्षिण जिले के मल्ली और सदाम क्षेत्र में शोकाकुल परिवार के सदस्यों से मिलने गए थे। उस समय पवन चामलिंग के विरुद्ध हुई नारेबाजी और विभिन्न घटनाओं पर डीजीपी को जानकारी दी गई। एसडीएफ पार्टी ने विज्ञप्ति में लिखा है कि पवन चामलिंग एसडीएफ पार्टी के अध्यक्ष होने के साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में विधायक भी हैं। उनके साथ सदाम गए एसडीएफ कार्यकर्ताओं पर एसकेएम पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आक्रमण किया।

उन्होंने कहा कि घटना विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के लिए पहुंचे एसडीएफ कार्यकर्ताओं की शिकायत थाने में दर्ज नहीं की गई। आक्रमण और विरोध के समय सिक्किम पुलिस के अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद थे। आक्रमण और हिंसा विगत के दिनों में भी एसडीएफ नेतृत्व और कार्यकर्ता भुगतते आ रहे हैं। ऐसी आपराधिक गतिविधि राज्य की शांति शृंखला भंग करने के साथ ही पार्टी अध्यक्ष पवन चामलिंग की सुरक्षा पर प्रश्न चिन्ह लगाता है। एसडीएफ पार्टी राज्य में गिरती कानून और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंतित है।

एसडीएफ अध्यक्ष पवन चामलिंग की सुरक्षा को लेकर एसडीएफ पार्टी ने पुलिस प्रशासन के समक्ष विभिन्न मांगें रखी हैं। पार्टी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में उल्लेख किया गया है कि आज एसडीएफ पार्टी ने डीजीपी से कहा कि पार्टी अध्यक्ष तथा विधायक पवन चामलिंग की सुरक्षा प्रतिबद्धता होनी चाहिए। उनकी सुरक्षा बढ़ाई जानी चाहिए। राज्य में शांत वातावरण बहाल होना चाहिए। अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर उचित सजा दी जानी चाहिए। पार्टी ने कहा कि पवन चामलिंग की सुरक्षा का दायित्व सिक्किम सरकार का है। उनके साथ किसी भी घटना को लेकर सरकार उत्तरदायी होगी।

एसकेएम ने युवाओं के साथ की समन्वय बैठक

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 11 जनवरी । सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) मल्ली विधानसभा के युवा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में सदाम सुंतले ग्राम पंचायत इकाई के युवाओं को लेकर एक समन्वय सभा आयोजित की गई। इसमें विगत 9 तारीख को सदाम तारेभीर में घटी घटना पर चर्चा की गई तथा इस प्रकार की घटना का विरोध किया गया।

सभा में आरोप लगाया गया कि उक्त घटना पूर्व मुख्यमंत्री के अगुवाई में सुनियोजित रूप से हुई है। इसके अलावा राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) द्वारा अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से शांति और भाईचारा कायम रखने के संदेश के बारे में युवाओं को बताया गया। इसके साथ ही सोमवार को जोरथांग निवासी एसकेएम पार्टी कार्यकर्ता जोन सुब्बा के निजी वाहन में हुई अगलगी की घटना की भी पार्टी ने निंदा की। सभा में मल्ली क्षेत्र वासी और सिक्किमी समाज को नकारात्मक तत्वों से विरुद्ध एकजुट होने का आह्वान किया गया।

युवा प्रकोष्ठ के द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक सभा में मल्ली निर्वाचन क्षेत्र के युवा संयोजक सुरेन तमांग, उप संयोजक एंड्रयू लेप्चा, मुख्य सचिव टीबी गुरुंग, युवा मुख्य सचिव ओंग छिरिंग लेप्चा, नीमा शेरपा, मनोज राई, अंचुक भूटिया के साथ ही जीपीयू के संयोजक धिरेन गुरुंग, सुयोग प्रधान के साथ ही अन्य युवा उपस्थित थे।

कोविड के 198 नए मामले

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 11 जनवरी । राज्य में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 198 नये मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में राज्य में कोविड संक्रमण की दर 11.7 प्रतिशत है। इसके साथ ही कोरोना के सक्रिय मामले 494 हो गए हैं।

दूसरी ओर राज्य में कोरोना के कारण मरने वालों की कुल संख्या 410 और कोविड को हराकर ठीक होने वालों की दर 97.2 प्रतिशत है। विभागीय रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कुल 1690 नमूनों की जांच की गई थी, जिसमें 198 पॉजिटिव मिले हैं। इनमें से पूर्व जिले से 141, दक्षिण जिले से 26, पश्चिम जिले से 28 और उत्तर जिले से 03 है। राज्य में कोरोना के कुल संक्रमित मामलों की संख्या 33029 और कोरोना संक्रमण के बाद स्वास्थ होने वालों की संख्या 31744 है।

वहीं दूसरी ओर, राज्य के गृह विभाग की ओर से 09 जनवरी को जारी एक आदेश के अनुरूप कल से राज्य के सभी प्रवेशद्वारों पर रैपिड एंटीजेन टेस्ट की शुरुआत होगी।

राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के आयुक्त सह सचिव डी आनंदन ने आज एक आदेश जारी कर इसकी जानकारी दी। आदेश में कहा गया है कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने राज्य के सभी प्रवेशद्वारों के साथ ही पाकिम हवाई अड्डे पर रैपिड एंटीजेन टेस्ट की व्यवस्था की है। जांच सुबह नौ बजे से शाम सात बजे तक जारी रहेगी।

स्वामी विवेकानंद की जयंती भव्यता के साथ मनाने का निर्देश

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 11 जनवरी । आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के अंतर्गत नेहरू युवा केन्द्र संगठन सिक्किम की राज्य निदेशक डॉ कविता श्रीवास्तव (अतिरिक्त प्रभार) ने सभी जिला युवा अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे स्वामी विवेकानंद की जयन्ती को भव्यता के साथ मनाएं।

इस दिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाते हुए इस दिन स्वामी विवेकानंद की अमर वाणी से अधिक से अधिक युवाओं को लाभान्वित कराते हुए इस दिन शुरू होने वाले दो दिवसीय 25वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी करने वाले हैं, के उद्घाटन समारोह में भी अधिक से अधिक युवाओं जोड़ने को कहा है। विभिन्न माध्यमों से प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण करने करने का भी निर्देश दिया गया है। डा कविता ने कहा कि इस हेतु अपने अपने जिले में कार्यरत गैर सरकारी संगठन,राष्ट्रीय सेवा योजना, स्काउट, खिलाड़ियों आदि को शामिल करें।

राज्य निदेशक ने जिला युवा अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे युवा सप्ताह 2022 के तहत 13 जनवरी को सांस्कृतिक दिवस के रूप में मनाते हुए लोकनाट्य, लोक गीत, कठपुतली नृत्य आदि का आयोजन कर सकते हैं, इसी प्रकार 14 जनवरी को सहभागिता दिवस के रूप में मनाने का कार्य करे जिसमें स्वतंत्रता संग्राम में युवाओं की भूमिका, कोरोना काल में युवाओं की भूमिका, मेरे सपनों का भारत 2047 विषय से संबंधित सेमीनार, निबन्ध प्रतियोगिताओं आदि का आयोजन किया जा सकता है। इसी प्रकार 15 जनवरी सेवा दिवस के रूप में मनाया जाए इस दिन रक्तदान, रक्त जांच, स्वच्छता अभियान चलाया जाना चाहिए, इसी कड़ी में 16 जनवरी को शारीरिक क्षमता दिवस के रूप में तथा 17 जनवरी युवा शांति दिवस के रूप में मनाते हुए विभिन्न गतिविधियां आयोजित करें, 18 जनवरी को व्यावसायिक कौशल दिवस के रूप में मनाने को कहा गया है।

श्रीवास्तव ने जिला अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे 19 जनवरी को चेतना दिवस के रूप में मनाएं इसी के साथ (शेष पृष्ठ ०३ पर)

फिरोजपुर में होती ऐतिहासिक रैली, विपक्षियों ने रोक दिया : शेखावत

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री और पंजाब बीजेपी प्रभारी गजेंद्र सिंह शेखावत ने दावा किया है कि फिरोजपुर में होते-होते रह गई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली अब तक कि सबसे बड़ी रैली साबित होती। शेखावत ने कहा कि पुलिस के साथ साठगांठ कर के राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने न सिर्फ जनता को रैली में नहीं जाने दिया बल्कि पीएम मोदी को भी रोका। शेखावत ने कहा कि इससे भाजपा कार्यकर्ताओं के संकल्प को ही मजबूती मिली है।

ये बातें केंद्रीय मंत्री ने दिल्ली में पंजाब के कुछ नेताओं को बीजेपी जॉइन करवाने के बाद कहीं। मंगलवार को शिरोमणि अकाली दल के पूर्व विधायक अरविंद खन्ना, शिअद नेता (शेष पृष्ठ ०३ पर)

कोविड प्रोटोकॉल की नहीं हुआ पालन तो जल्द ही पीक पर होगा कोरोना, एक्सपर्ट ने टीके को बताया हथियार

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेन्सी)। कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के कारण देश में दैनिक मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले दिनों में भारत में इसकी संख्या में और तेज गति से इजाफा देखने को मिल सकता है। उन्होंने यह भी कहा है कि कोविड प्रोटोकॉल का पालन और टीकाकरण से इसके संक्रमण को थामा जा सकता है।

आपको बता दें कि भारत ने मंगलवार को लगातार तीसरे दिन कोरोना के 1.5 लाख से अधिक नए कोरोना मामले दर्ज किए। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने आज जानकारी दी कि देश ने पिछले 24 घंटों में 1,68,063 नए मामले दर्ज किए हैं।

न्यूज एजेंसी से बात करते हुए टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) के सीओवीआईडी -19 वर्किंग ग्रुप के अध्यक्ष डॉ एनके अरोड़ा ने कहा, 'तीसरी लहर का पीरक वायरस के संचरण पर निर्भर करेगा। लोग जितनी अच्छी तरह से कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करेंगे, उतनी राहत मिलेगी। यदि कोरोना मानदंडों का उल्लंघन किया जाता है, तो पीक काफी ऊंची हो सकती है।'' उन्होंने टीकाकरण और प्रशासनिक कार्रवाई जैसे नाइट कर्फ्यू और वीकेंड कर्फ्यू को जारी रखने की भी अपील की है।

उन्होंने कहा, 'जिस तरह से आईआईटी कानपुर मॉडल ने दिखाया है, ऐसा लगता है कि बहुत सक्रिय रूप से संक्रमण बढ़ रहा है। निकट भविष्य में यह अपने पीक पर होगा, जो कि कई सप्ताह तक रह सकता है।'

तीसरी लहर के बीच देश में ज्यादातर कोरोना के प्रकार का पता लगाने के बारे में पूछे जाने पर डॉ. अरोड़ा ने कहा कि वायरस के व्यवहार से ऐसा लगता है कि इस लहर का कारण ओमिक्रॉन वैरिएंट के कारण हो रहा है।

उन्होंने कहा, 'ऐसा प्रतीत होता है कि देश में अब रिपोर्ट किए जा रहे अधिकांश कोरोना के मामले ओमिक्रॉन के प्रकार के हैं। जीनोमिक निगरानी के प्रारंभिक अनुभव से पता चला है कि 10 दिनों से दो सप्ताह तक 90 प्रतिशत से अधिक वायरस बड़े शहरों में फैल रहा है। दिल्ली, पुणे, मुंबई में अधिकांश मामले ओमिक्रॉन के सामने आए हैं।'

हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अप्रैल-मई 2021 में देश में विनाशकारी दूसरी लहर के लिए जिम्मेदार डेल्टा संस्करण अभी भी कुछ हिस्सों में पाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'डेल्टा के कुछ मामले उन क्षेत्रों में अभी भी होंगे जहां डेल्टा महामारी पहले से ही चल रही थी। तमिलनाडु के कुछ जिलों और पूर्वोत्तर राज्यों के क्षेत्रों में यह अभी भी मिल सकता है। ऐसी स्थिति में हमें देखभाल करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए।'

देश में कोरोना के कारण होने वाली मौतों पर बोलते हुए डॉक्टर ने कहा कि ज्यादातर मौतें कॉमरेडिटी वाले रोगियों से जुड़ी हैं। डॉ अरोड़ा ने कहा, 'लगभग 85 प्रतिशत मौतें 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की हैं।'

आपको बता दें कि इस बीच देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 8,21,446 हो गई है। कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट के अब तक कुल 4,461 मामले सामने आए हैं।

पीएम मोदी कोविड-19 की मौजूदा स्थिति पर गुरुवार को मुख्यमंत्रियों के साथ कर सकते हैं बैठक

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेन्सी)। कोविड-19 के नए स्वरूप ओमीक्रोन के कारण संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक कर सकते हैं। यह जानकारी मंगलवार को सूत्रों ने दी।

संक्रमण के तेजी से बढ़ रहे मामलों को देखते हुए देश के विभिन्न हिस्सों में नए प्रतिबंध लगाए गए हैं। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने रविवार को देश में कोविड-19 महामारी के हालात, स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे और आपूर्ति व्यवस्था की चल रही तैयारियों, देश में टीकाकरण अभियान की स्थिति, ओमीक्रोन के प्रसार और इसके जन स्वास्थ्य प्रभाव की समीक्षा करने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की थी।

इस बैठक में बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया के साथ-साथ गृह, स्वास्थ्य, फार्मा व अन्य मंत्रालय के सचिव और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने देश-विदेश में ओमिक्रोन वैरिएंट के कारण कोरोना के बढ़ते मामलों की जानकारी दी। उन्होंने इस वैरिएंट की संक्रामकता और गंभीरता को लेकर दुनिया भर के अनुभवों को भी साझा किया

उन्होंने इस दौरान जिला स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी पर्याप्त बुनियादी ढांचा सुनिश्चित किए जाने और वयस्कों के लिए टीकाकरण मुहिम मिशन मोड पर तेज किए जाने की अपील की थी। साथ ही उन्होंने कहा था कि राज्यों के हालात, तैयारियों और जन स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक बुलाई जाएगी।

ज्ञात हो कि मामलों में वृद्धि के बीच देश में स्वास्थ्य कर्मियों, अग्रिम मोर्चे के कर्मियों और अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित 60 वर्ष से अधिक आयु के मरीजों को एहतियाती तौर पर टीकों की बूस्टर खुराक दिए जाने की मुहिम शुरू हो गई है।

प्रधानमंत्री मोदी अक्सर इस बात पर जोर देते रहे हैं कि टीकाकरण कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में सबसे प्रभावी हथियार है। वर्ष 2020 में महामारी की शुरुआत होने के बाद से वह अक्सर मुख्यमंत्रियों के साथ बैठकें कर स्थिति की समीक्षा करते रहे हैं।

गौरतलब है कि बीते 24 घंटे में कोरोना के नए मामलों में कमी देखने को मिली है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि सोमवार को कोरोना के 1,68,063 नए मामले सामने आए हैं जबकि 9 जनवरी को 1 लाख 79 हजार 723 नए मामले सामने आए थे। देश में कोरोना के एक्टिव मरीज बढ़कर 8,21,446 हो गए हैं।

बिहार में भीड़ के हत्थे चढ़े 3 लुटेरे, पीट-पीटकर किया अधमरा

गोपालगंज, 11 जनवरी (नि.सं.)। बिहार के गोपालगंज जिले के मांझागढ़ थाना क्षेत्र में एक आभूषण व्यवसायी से सोना लूटकर भाग रहे तीन लुटेरे ग्रामीणों के हत्थे चढ़ गए और लोगों ने पीट-पीटकर तीनों को अधमरा कर दिया।

सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने बड़ी मुश्किल से तीनों को भीड़ के चंगुल से छुड़ाकर अपने कब्जे में लेकर इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया है।

पुलिस के मुताबिक, प्रतापपुर गांव के रहने वाले आभूषण व्यवसायी सुरेंद्र सोनी मंगलवार को आभूषण से भरा बैग लेकर अपनी दुकान खोलने गोपालगंज जा रहे थे। रास्ते में बाइक सवार तीन अपराधियों ने फायरिंग कर व्यवसायी से आभूषण लूट लिया।

इसके बाद व्यवसायी के द्वारा शोर मचाए जाने के बाद आसपास के जुटे ग्रामीणों ने तीनों लुटेरों को चारों तरफ से घेर लिया और पकड़कर पिटाई शुरू कर दी।

इस घटना की सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने आक्रोशित भीड़ से बड़ी मशक्कत के बाद तीनों को छुड़ाकर अपने कब्जे में लिया।

गोपालगंज (सदर) अनुमंडल पुलिस अधिकारी संजीव कुमार ने बताया कि तीनों पकड़े गए लोगों पर पहले से ही कई अपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने तीनों को घायल स्थिति में इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है, जहां एक लुटेरे की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

उन्होंने बताया कि कि पकड़े गये लुटेरों में छपरा के तरैया थाना क्षेत्र का कुख्यात अपराधी गुड्डू सिंह भी शामिल है, जो यूपी के देवरिया में स्वर्ण व्यवसायी की हत्या के मामले में 15 दिन पहले ही जमानत पर छूटा है। इसके अलावा पकड़े गए लोगों में मांझागढ़ थाने के सुरवनिया गांव का अप्पू मियां और सिधवलिया थाना क्षेत्र के बलरा का नूर हसन मियां शामिल है।

उन्होंने कहा कि लुटेरों से लूट का सोना बरामद कर लिया गया है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

बैठकर बात करें स्वामी प्रसाद मौर्य, जल्दबाजी में लिए फैसले गलत साबित होते हैं : केशव

लखनऊ, 11 जनवरी (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तारीख की घोषणा होने के चौथे ही दिन मंगलवार को राज्य सरकार के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। मौर्य ने अपना त्यागपत्र राज्यपाल को भेजा है।

उनके इस फैसले पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंत्री से जल्दबाजी में कोई फैसला करने के बजाय बैठकर बात करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वह नहीं जानते कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने किन कारणों से इस्तीफा दिया मगर जल्दबाजी में लिए गए फैसले अक्सर गलत साबित होते है, इसलिए उनसे आग्रह है कि उन्हें बैठकर बात करनी चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने मंगलवार को ट्वीट किया कि आदरणीय स्वामी प्रसाद मौर्य जी ने किन कारणों से इस्तीफा दिया है, मैं नहीं जानता हूं। उनसे अपील है कि बैठकर बात करें, जल्दबाजी में लिए हुए फैसले अक्सर गलत साबित होते हैं।

गौरतलब है कि मंगलवार दोपहर श्रम एवं सेवायोजन मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को भेजे इस्तीफे में उन्होंने लिखा कि योगी आदत्यनाथ के मंत्रिमंडल में श्रम एवं सेवायोजन व समन्वय मंत्री के रूप में विपरीत परिस्थितियों एवं विचारधारा में रह कर बहुत ही मनोयोग के साथ उत्तरदायित्व का निर्वाहन किया है किंतु दलितों पिछड़ों, किसानों, बेरोजगार नौजवानों एवं छोटे लघु एवं मध्यम श्रेणी के व्यापारियों की घोर उपेक्षात्मक रवैये के कारण उत्तर प्रदेश के मंत्रिमंडल से मैं इस्तीफा देता हूं।

स्वामी प्रसाद मौर्य के इस्तीफे के तुरंत बाद समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट किया कि सामाजिक न्याय और समता-समानता की लड़ाई लड़ने वाले लोकप्रिय नेता श्री स्वामी प्रसाद मौर्या जी एवं उनके साथ आने वाले अन्य सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का सपा में ससम्मान हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन। सामाजिक न्याय का इंकलाब होगा बाइस में बदलाव होगा। सपा सूत्रों का दावा है कि स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ भाजपा के कुछ और विधायक सपा की सदस्यता हासिल कर सकते हैं।

बिधूना विधायक की बेटी बोली, पिता को चाचा जबरन ले गए, सरकार से मांगी सुरक्षा

औरैया, 11 जनवरी (एजेन्सी)। मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के इस्तीफे के बाद औरैया में भी हलचल है। उनके करीबी रहे बिधूना विधायक विनय शाक्य लापता हैं। उनकी बेटी ने आरोप लगाया है कि उनके चाचा विधायक पिता को जबरन अपने साथ ले गए हैं। बेटी ने सरकार से पिता की सुरक्षा की मांग की है। भाजपा विधायक विनय शाक्य की बेटी रिया शाक्य ने अपने चाचा देवेश शाक्य पर बीमार पिता को जबरन लखनऊ ले जाने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि पिता से उनकी व उनकी मां की बात भी नहीं कराई जा रही है।

एक वीडियो ट्वीट कर उन्होंने कहा है कि पैरालिसिस अटैक के कारण उसके पिता बेड रेस्ट पर हैं। चलने फिरने और बोलने में असमर्थ हैं। मेरे चाचा देवेश शाक्य पर पिता को जबरन लखनऊ ले गए हैं। उधर चर्चा है कि रिया भाजपा से औरैया की बिधूना विधान सभा सीट से टिकट मांग रही हैं। विनय शाक्य बिधूना सीट से दो बार विधायक रहे हैं। एक बार एमएलसी भी मनोनीत हुए थे। बसपा सरकार में वह दो बार मंत्री भी रहे हैं। विनय शाक्य ने 2012 में एमएलसी रहने के दौरान बिधूना सीट से अपने भाई देवेश शाक्य को चुनाव लड़ाया था, हालांकि वह हार गए।

अब विनय के बीमार होने पर देवेश शाक्य राजनैतिक विरासत हासिल करने की कोशिश में हैं। बेटी रिया शाक्य क्षेत्र में जनसंपर्क कर रही थी। इस बाबत रिया शाक्य ने 'हिन्दुस्तान' से कहा-बीमार विधायक पिता को उसके चाचा जबरन लखनऊ ले गए हैं। रिया के चाचा देवेश शाक्य का कहना है कि उनके भाई बेटी के साथ नहीं अपनी मां के साथ रहते हैं। यह सब दूसरे लोग करवा रहे हैं। भाई के साथ वह जबरदस्ती नहीं करने देंगे। यदि वह स्वेच्छा से राजी हों तो ले जाएं। वरना मेरे खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दें।

मुख्तार अंसारी को गैंगस्टर एक्ट के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत

प्रयागराज, 11 जनवरी (एजेन्सी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 वर्षों से जेल में निरुद्ध बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी को गैंगस्टर एक्ट में रिमांड आदेश करने के विरुद्ध याचिका पर राहत दी है। कोर्ट ने प्रयागराज स्थित विशेष अदालत एमपी/एमएलए को निर्देश दिया है कि जेल अधीक्षक से रिपोर्ट लेकर उचित आदेश करें।

यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीत कुमार एवं न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान की खंडपीठ ने मुख्तार अंसारी की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। याची का कहना है कि गैंगस्टर एक्ट में अधिकतम सजा 10 साल कैद है।याची इससे अधिक समय से जेल में बंद है। निर्धारित सजा जेल में बिताने के बाद गिरोहबंद कानून में नजरबंदी अवैध है। ऐसे में उसे स्वतंत्र होने का अधिकार है।

याचिका पर अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय का कहना है कि याची के जेल में रहने बावजूद 2007 में उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत गाजीपुर के मुहम्मदाबाद थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। विशेष अदालत वाराणसी ने 22 जुलाई 2009 को इस मामले में रिमांड स्वीकृत किया। याची 22 अक्तूबर 2005 से जेल में है। अब प्रयागराज की विशेष अदालत में केस चल रहा है।

पार्टी में मैं बात उठाता था, लेकिन मेरी सुनी नहीं गई : इस्तीफे के बाद बोले स्वामी प्रसाद मौर्य

लखनऊ, 11 जनवरी (एजेन्सी)। योगी सरकार में श्रम एवं सेवायोजन विभाग के कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को पद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफे की सूचना मिलते ही स्वामी प्रसाद के सरकारी आवास के बाहर उनके समर्थक जमा हो गए। उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी। स्वामी प्रसाद मौर्य अखिलेश यादव से मुलाकात के बाद सीधे गोमती नगर स्थित आवास पर पहुंचे। वहां मीडिया से बातचीत में उन्होंने भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा सरकार लगातार सभी वर्गों की उपेक्षा कर रही है। कई बार उनकी बात को मैं उठाता रहा लेकिन मेरी बात अनसुनी कर दी गई। भाजपा सबको झटका देती रही है सो एक झटका मैं उन्हें दे रहा हूं। शायद इससे भाजपा की आंखें खुल जाएं। हालांकि सपा में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि दो दिन अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ चर्चा करके फैसले करेंगे।

उन्होंने कहा कि जल्द सबको पता चल जाएगा कि हमारे साथ और कौन-कौन आ रहा है। उनके साथ जाने वालों में मंत्री धर्म सिंह सैनी का नाम भी उछला था लेकिन सैनी ने अपना वीडियो जारी कर इस बात का खंडन कर दिया। वहीं वनमंत्री दारा सिंह चौहान की भी चर्चा रही।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट कर कहा कि आदरणीय स्वामी प्रसाद मौर्य जी ने किन कारणों से इस्तीफा दिया है, मैं नहीं जानता हूं। उनसे अपील है कि बैठकर बात करें, जल्दबाजी में लिए हुए फैसले अक्सर गलत साबित होते हैं। तो दूसरी ओर नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने भी ट्वीट कर कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य के लिए यह कदम आत्मघाती साबित होगा। उन्हें अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए।

स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी भाजपा की बदायूं से सांसद डॉ. संघमित्रा मौर्या ने कहा कि पिता स्वामी प्रसाद मौर्य का मंत्री पद से इस्तीफा देना उनका निजी फैसला है। लोकतंत्र में हर व्यक्ति स्वतंत्र है। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में क्या निर्णय लिया है, उसके बारे में हम कुछ नहीं कह सकते हैं। फिलहाल मैं भाजपा में ही हूं और भाजपा में रहूंगी। मुझे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व भाजपा की नीतियां पसंद हैं।

पढ़ाई-रोजगार के साथ सिंचाई की मुफ्त सुविधा दी जाएगी : अखिलेश

लखनऊ, 11 जनवरी (एजेन्सी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि जनता समाजवादी पार्टी को भाजपा का विकल्प मानती है। जनता इस बार भाजपा का सफाया करके समाजवादी पार्टी की सरकार लाएगी। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त देंगे, छात्रों-नौजवानों को पहले की तरह लैपटाप देंगे। पढ़ाई-रोजगार का इंतजाम होगा। सिंचाई मुफ्त होगी। अखिलेश मंगलवार को पार्टी मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी सभी वर्गों को साथ लेकर चल रही है। समाजवादी पार्टी ने क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन किया है। इस बार जनता पुराने मुद्दों पर वोट नहीं देगी।

समाजवादी पार्टी चुनावों की तैयारी पिछले दो साल से कर रही है। पार्टी के तमाम कार्यकर्ताओं को ट्रेनिंग दी गई है कि कैसे अपना काम जनता तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने किसान, नौजवान को धोखा दिया। डीजल, बिजली, खाद, सब महंगे हो गए है। किसान की कमाई आधी हो गई और महंगाई दोगुनी हो गई है। भाजपा के नेता एक बार भी किसान, नौजवान का नाम नहीं लेते हैं। भाजपा ने तीन कृषि कानून किसानों को संकट में डालने और उनको बर्बाद करने के लिए लाए थे। भाजपा ने जिन किसानों को आतंकवादी कहा था, वोट के लिए अब उनकी पूजा कर रही है। किसान जानता है कि भाजपा धोखा दे रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा का हर वादा झूठा निकला। इसके विज्ञापन भी झूठे हैं। समाजवादी पार्टी ने हमेशा महिलाओं को सम्मान दिया। माताओं, बहनों को समाजवादी पेंशन, कन्या विद्याधन, लैपटाप, रानी लक्ष्मीबाई योजना के जरिए सम्मान दिया था। समाजवादी पार्टी के घोषणा पत्र में आधी आबादी की सुरक्षा, सम्मान और रोजगार के लिए काम किया जाएगा। समाजवादी पार्टी की जनसभाओं में उमड़ते जनसैलाब से घबड़ा कर सरकारी पार्टी के अनुकूल व्यवस्थाएं की जा रही है लेकिन मतदाता साइकिल पहचानता है। वह साइकिल का बटन ही दबाएगा।

अभद्रता का शिकर हुई महिलाओं को टिकट देगी कांग्रेस : प्रियंका

लखनऊ, 11 जनवरी (एजेन्सी)। आप चुनाव लड़ो। विधायक बनो। सत्ता अपने हाथ में लो और लड़ो यह कह कर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने यूपी की महिलाओं का आह्वान किया था। लड़की हूं, लड़ सकती हूं का नारा दिया और अब कांग्रेस लड़ने वाली लड़कियों को चुनाव में उतारने की तैयारी में हैं।

प्रदेश कांग्रेस उन महिलाओं की सूची तैयार कर रहीं हैं जो बलात्कार, महिलाओं की बेइज्जती और प्रताड़ना का शिकार हुई हैं। उन्नाव रेप पीड़ित की मां, हाथरस गैंगरेप पीड़िता की भाभी या मां, पंचायत चुनाव में अभद्रता की शिकार हुई ऋतु सिंह को पार्टी टिकट देने का मन बना चुकी है।

प्रियंका गांधी ने कह चुकी हैं कि हमारी सूची में ऐसी महिलाएं होंगी, जो अपने लिए खड़ी होना चाहती हैं। जो लड़ना चाहती हैं। जिन पर अत्याचार हुआ है। ऐसे पीड़ित परिवारों से मिलकर उन महिलाओं को चुनाव लड़ने के लिए राजी करने की कोशिश की जा रही है। इसके बाद टिकट देने का फैसला किया जाएगा। इनमें उन्नाव रेप केस की पीड़िता की मां आशा सिंह को पार्टी चुनाव लड़ने के लिए राजी किया जा रहा है।

वर्ष 2017 में उन्नाव की बांगरमऊ सीट से भाजपा विधायक कुलदीप सेंगर पर एक नाबालिग लड़की ने अपहरण और बलात्कार का केस दर्ज करवाया था। पीड़ित ने कहा था कि वह विधायक के घर नौकरी मांगने गई थी, तब उसके साथ गैंगरेप हुआ था। पूर्व सपा नेता ऋतु सिंह भी इस सूची का हिस्सा हैं।

पंचायत चुनाव में उनकी साड़ी खींची गई थी। इसके अलावा हाथरस गैंग रेप के परिवार से भी एक महिला को टिकट देने की तैयारी कर रही है। शाहजहांपुर में आशा वर्कर का काम करने वाली पूनम पांडे को भी टिकट दिए जाने की चर्चा है। पूनम मुख्यमंत्री से मिलने जा रही थी लेकिन पुलिस ने उन्हें मार दिया।

बिहार विधान परिषद चुनाव : सीटों को लेकर राजद-कांग्रेस में फिर बढ़ रही तल्खी, एनडीए में भी वार्ता का दौर जारी

पटना, 11 जनवरी (का.सं.)। स्थानीय निकाय कोटे के तहत विधान परिषद की 24 सीटों के लिए होने वाले चुनाव की आहट के बीच राजद और कांग्रेस के बीच एक बार फिर तल्खी बढ़ रही है। चंपारण से राजद उम्मीदवार उतारे जाने के बाद प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व नाराज हो गया है। पार्टी ने ऐलान कर दिया है कि राजद से समझौता हो या नहीं, पार्टी विप चुनाव लड़ेगी। गौरतलब है कि पिछले दिनों तारापुर व कुशेश्वरस्थान के लिए हुए विधानसभा उपचुनाव में भी राजद के रुख से नाराज कांग्रेस अकेले ही मैदान में उतर गई थी।

पार्टी नेताओं के अनुसार साल 2015 में महागठबंधन खेमे में कांग्रेस को 4 सीटें मिली थी। उस समय महागठबंधन में कांग्रेस के अलावा राजद व जदयू भी था। कांग्रेस समर्थित चार उम्मीदवार सहरसा, कटिहार, पूर्णिया और पश्चिमी चम्पारण से चुनाव लड़े थे। लेकिन इस बार अभी तक कांग्रेस-राजद में समझौता नहीं हुआ है। वहीं, राजद की तरफ से पश्चिम चंपारण को लेकर कैंडिडेट का नाम फाइनल करने की बात सामने आ रही है। बिना कांग्रेस की सहमति के ही राजद की तरफ से उम्मीदवार देने पर प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व सकते में है।

प्रदेश नेताओं के अनुसार पिछले दिनों राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने कहा था कि कांग्रेस को 24 में से 6-7 सीटें दी जा सकती है। उसी आधार पर कांग्रेस ने 7 सीटों की मांग की है। हालांकि राजद नेतृत्व की तरफ से कांग्रेस के इस प्रस्ताव पर कुछ भी नहीं कहा गया है लेकिन उम्मीदवार उतारने का क्रम शुरू कर दिया गया है। ऐसे में अब कांग्रेस के प्रदेश नेताओं की निगाहें अब आलाकमान पर टिकी हैं। अगर आलाकमान की हरी झंडी मिली तो कांग्रेस अपने दम पर भी चुनावी मैदान में उतरने को तैयार है।

कांग्रेस विधायक दल के नेता अजीत शर्मा ने कहा कि अभी विप चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है। चुनाव होने में समय है। लेकिन, हकीकत है कि राजद से गठबंधन को लेकर अभी कोई बातचीत नहीं हुई है। लेकिन राजद से समझौता हो या नहीं, पार्टी निकाय कोटे से होने वाले विप चुनाव में अपना उम्मीदवार जरूर उतारेगी। जहां तक राजद से समझौता का सवाल है, उस पर अंतिम फैसला पार्टी आलाकमान को लेना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और नेता राहुल गांधी जो भी निर्णय लेंगे, वह बिहार इकाई को मंजूर होगा। वैसे राजद से समझौता को लेकर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मदन मोहन झा के स्तर पर ही बातचीत होगी।

बिहार विधान परिषद की 24 सीटों को लेकर एनडीए में अभी वार्ता का दौर जारी है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के दो प्रमुख दलों भाजपा और जदयू के बीच मुख्य रूप से सीटों के बंटवारे पर फैसला लिया जाना है। भाजपा की ओर से जहां प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल वहीं जदयू की ओर से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी के बीच अधिकृत बातचीत चल रही है।

इस बाबत पूछे जाने पर सोमवार की शाम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल ने कहा कि बातचीत हो रही है। भाजपा में कोई भी निर्णय एक सिस्टम से होता है। पार्टी प्रत्याशियों की संख्या पूछे जाने पर पर उन्होंने कहा कि जो है सो रहेगा। हालांकि यह अभी तय होना है। डॉ. जायसवाल का इशारा भाजपा की 13 सीटिंग सीटों की ओर था और इशारों में ही सही, उन्होंने यह बता दिया कि भाजपा अपने सभी सीटिंग प्रत्याशी को उतारना चाहती है। वहीं जदयू की ओर से वार्ता के लिए अधिकृत शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि कहीं कोई जिच या गांठ नहीं है।

इस बार के एनडीए में जदयू-भाजपा के बीच सीटों की साझेदारी को लेकर एक बेसिक व स्थापित समझदारी है। दो-चार दिन में या इसी सप्ताह सब कुछ तय हो जाएगा। श्री चौधरी का संकेत 50:50 यानी कि आधी-आधी सीटों पर प्रत्याशी उतारने को लेकर था। इसी के तहत भाजपा-जदयू के बीच पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भी सीटों का बंटवारा हुआ था।

ओम बिड़ला ने की संसद में तैयारियों की समीक्षा, कोरोना के बीच होना है बजट सत्र का आयोजन

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेन्सी)। देश में कोरोना वायरस के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ रहे हैं और संसद का बजट सत्र भी आयोजित होने वाला है। बजट सत्र को देखते हुए संसद में स्वच्छता का काम और अन्य तैयारियां की जा रही हैं। लोकसभा के स्पीकर ओम बिड़ला ने मंगलवार को इन कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि सांसद और कर्मचारी महामारी के इस नए दौर में सुरक्षित रहेंगे और सत्र के दौरान बेहतर काम होगा।

बिड़ला ने कहा, 'संसद में आगामी बजट सत्र को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। सांसद और कर्मचारी महामारी के दौरान सुरक्षित रहें।' इससे पहले सोमवार को बिड़ला और राज्यसभा के चेयरमैन एम वेंकैया नायडू ने दोनों सदनों के महासचिवों को निर्देश दिया था कि कोरोना वायरस महामारी की स्थिति की विस्तृत समीक्षा करें और आगामी बजट सत्र के सुरक्षित आयोजन करने के लिए प्रभावी सुरक्षा मानक सुझाएं।

समाचार एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया था कि वेंकैया नायडू और ओम बिड़ला ने यह निर्देश यह जानने के लिए किया है कि कोरोना संक्रमण के प्रसार की मौजूदा स्थिति के संदर्भ में पिछले शीत कालीन सत्र के दौरान अपनाए गए कोरोना वायरस के लिए प्रोटोकॉल्स कितने पर्याप्त थे। सूत्रों के अुसार दोनों सदनों के महासचिवों से कहा गया है कि इस संबंध में अपनी रिपोर्ट जितनी जल्दी संभव हो पेश करें।

समुद्र में भी कांप उठेगा पाक, भारत ने किया क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेन्सी)। भारत ने मंगलवार को भारतीय नौसेना के आईएनएस विशाखापत्तनम युद्धपोत से मंगलवार को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया। डीआरडीओ के अधिकारी ने कहा, 'ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के उन्नत समुद्र से समुद्री संस्करण का आज आईएनएस विशाखापत्तनम से परीक्षण किया गया। मिसाइल ने निर्धारित लक्ष्य जहाज पर सटीक निशाना लगाया।'

मिसाइल भारत और रूस के बीच एक संयुक्त उद्यम है जहां रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन भारतीय पक्ष का प्रतिनिधित्व करता है।

मिसाइल का परीक्षण आईएनएस विशाखापत्तनम से किया गया था जो हाल ही में शामिल भारतीय नौसेना का नवीनतम युद्धपोत है।

सूत्रों ने कहा, 'मिसाइल के समुद्र से समुद्री संस्करण का अधिकतम सीमा पर परीक्षण किया गया और लक्ष्य जहाज को सटीक सटीकता के साथ मारा गया।'

ब्रह्मोस भारतीय नौसेना के युद्धपोतों की मुख्य हथियार प्रणाली है और इसे इसके लगभग सभी सतह प्लेटफार्मों पर तैनात किया गया है। पानी के नीचे का संस्करण भी विकसित किया जा रहा है जिसका उपयोग न केवल भारत की पनडुब्बियों द्वारा किया जाएगा, बल्कि मित्र देशों को निर्यात के लिए भी पेश किया जाएगा।

बढ़ते कोरोना से निपटने के केंद्रीय विश्वविद्यालय ने किए नए प्रावधान

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेन्सी)। दिल्ली में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। दिल्ली सरकार के आंकड़ों के मुताबिक कोरोना संक्रमण की दर लगभग 25 प्रतिशत है। इसी को देखते हुए अब जेएनयू, जामिया और डीयू जैसे बड़े केंद्रीय विश्वविद्यालयों ने अतिरिक्त सावधानी बरतनी शुरू कर दी है।

जामिया में जहां नो वैक्सीनेशन नो एंट्री का रूल लागू किया गया है, वहीं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में गहन कोरोना जांच की जा रही है।

जेएनयू के रजिस्ट्रार प्रोफेसर रविकेश ने बताया कि जेएनयू में कोविड-19 परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। यह विश्वविद्यालय के सभी समुदाय के सदस्यों के लिए है। शिविर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इसके अलावा, भीड़ से बचने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा यह अनुरोध किया गया है कि जो लोग लाभ उठाना चाहते हैं, वे तय मानदंडों के अनुरूप यहां आकर अपनी जांच करवा सकते हैं। इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की भीड़ लगाना पूर्णतया वर्जित है। इसके साथ ही जेएनयू ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं।

गौरतलब है कि कोरोना की नई लहर के बाद सभी केंद्रीय विश्वविद्यालय नए प्रतिबंध और नियम ला रहे हैं। कई विश्वविद्यालय शिक्षा मंत्रालय से बातचीत कर रहे हैं। डीयू, जेएनयू, जामिया जैसे सभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शोध सम्मेलन स्थगित करने जा रहे हैं। चरणबद्ध तरीके से ही विश्वविद्यालय चलाए जाएंगे।

इसी के मद्देनजर देश के सबसे बड़े केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शुमार दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपनी सभी परीक्षाएं फिलहाल ऑनलाइन ही रखने का निर्णय लिया है। सभी छात्रों को ऑनलाइन परीक्षाओं का विकल्प मुहैया कराया जाएगा। साथ ही कक्षाएं भी ज्यों की त्यों ऑनलाइन मोड में ही संचालित की जाती रहेंगी।

जामिया मिलिया इस्लामिया ने इसी को देखते हुए अब 'नो वैक्सीन, नो कैंपस एंट्री' का निर्देश जारी किया है। इतना ही नहीं विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जामिया से जुड़े जिन कर्मचारियों ने अभी तक अपना वैक्सीनेशन नहीं कराया है, उनके खिलाफ अब कार्रवाई भी की जाएगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि जामिया मिलिया इस्लामिया की कुलपति प्रोफेसर नजमा अख्तर ने कैंपस में कोविड-19 और ओमाइक्रॉन मामलों के प्रसार की रोकथाम के लिए यह निर्देश दिया है।

दिल्ली स्थित जामिया मिलिया इस्लामिया में केवल उन्हीं कर्मचारियों को उनके संबंधित विभागों और कार्यालयों में प्रवेश दिया जाए, जिन्होंने 'किसी भी उपलब्ध कोविड-19 वैक्सीन की कम से कम एक खुराक' ले ली हो। यह निर्णय दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), एनसीटी दिल्ली सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार लिया गया है।

महाराष्ट्र विधानसभा से विधायकों को निलंबित करने का मामला, एससी की टिप्पणी- प्रजातंत्र के लिए यह खतरनाक

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेन्सी)। महाराष्ट्र विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 12 विधायकों को सस्पेंड किये जाने के मामले की समीक्षा सुप्रीम कोर्ट में की गई। इन सभी विधायकों को जुलाई 2021 में एक साल के लिए सस्पेंड किया गया था। मंगलवार को देश की सबसे बड़ी अदालत ने कहा कि इस तरह के कदम प्रजातंत्र के लिए खतरनाक हो सकते हैं। अदालत ने कहा कि 6 महीने से ज्यादा किसी संसदीय क्षेत्र को प्रतिनिधित्व से दूर रखने की वारंटी संविधान के द्वारा नहीं दी गई है।

जस्टिस एएम खानविल्कर की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा, हाउस (विधानसभा) संविधान और मौलिक अधिकारों के तहत चलता है। अगर छह महीने के अंदर किसी पद को भरने का वैधानिक दायित्व है तो इसके आगे कोई भी चीज असंवैधानिक है। विधानसभा से निलंबित किये गये 12 विधायकों ने सरकार के इस निर्णय के खिलाफ अदालत में अलग से याचिका दायर की थी। 5 जुलाई, 2021 को विधानसभा स्पीकर ने इस संबंध में प्रस्ताव को हरी झंडी दिखाई थी। अदालत ने इसी मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की है।

बेंच में शामिल जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और सीटी रविकुमार ने आगे कहा कि 'अगर हम इस तथ्य को मान भी लें कि हाउस को सस्पेंड करने की ताकत है लेकिन आप किसी क्षेत्र को प्रतिनिधित्व करने से एक साल तक नहीं रोक सकते हैं। अगर कोई सदस्य निष्कासित हो जाता है तो वो वहां खाली स्थान यानी वैकेंसी होती हो जाती है और इसे 6 महीने के अंदर भरा जाना जरूरी है।' अदालत में निलंबित विधायकों की तरफ से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी, महेश जेठमलानी और सिद्धार्थ भटनागर अपनी दलीलें दे रहे थे। वरिष्ठ वकीलों ने कहा कि विधायकों को सस्पेंड करने का प्रस्ताव पारित करने के दौरान विधायकों के नैचुरल जस्टिस को अनसुना कर दिया गया। मुकुल रोहतगी ने कहा कि हाउस के किसी सदस्य को 60 दिनों से ज्यादा के लिए सस्पेंड नहीं किया जा सकता है।

अदालत में महाराष्ट्र सरकार की तरफ से वरिष्ठ वकील सीए सुंदरम उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि निलंबित करने की ताकत बिल्कुल सही है और राज्य विधानसभा के इस फैसले में कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके नियमों के विपरित व्यवहार के गवाह स्पीकर और सदस्य थे।

स्वामी प्रसाद मौर्य के इस्तीफे के बाद डैमेज कंट्रोल में जुटी भाजपा, अखिलेश बोले- मेला होबे

लखनऊ, 11 जनवी (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव की घोषणा के बाद योगी मंत्रिमंडल से इस्तीफा देकर स्वामी प्रसाद मौर्य ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को ऐन वक्त पर करारा झटका देकर मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इसके मद्देनजर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने मौर्य के इस्तीफे से आगामी चुनाव में संभावित नुकसान की भरपाई के लिये मौर्य को मनाने की कवायद तेज कर दी है।

मंगलवार को मौर्य द्वारा मंत्री पद से और उनके करीबी विधायकों ब्रजेश प्रजापति (तिंदवारी), रौशन लाल वर्मा (तिलहर), विनय शाक्य (बिधूना) और भगवती सागर (बिल्हौर) के भी भाजपा से मोह भंग होने की घोषणा के बाद एक तरफ भाजपा ने 'डेमेज कंट्रोल' करना शुरू कर दिया है। वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मौर्य सहित तमाम भाजपा विधायकों के सपा में शामिल होने की अटकलों को 'उपेक्षितों का मेला' बताते हुए नया जुमला दिया, राजनीति का मेला होबे।''

अखिलेश ने ट्वीट कर कहा, ''इस बार सभी शोषितों, वंचितों, उत्पीड़ितों, उपेक्षितों का 'मेल' होगा और भाजपा की बाँटने व अपमान करनेवाली राजनीति के ख़िलाफ़ सपा की सबको सम्मान देने वाली राजनीति का इंक़लाब होगा। बाइस में सबके मेल मिलाप से सकारात्मक राजनीति का 'मेला होबे'। भाजपा की ऐतिहासिक हार होगी।'' इस बीच मौर्य के करीबी विधायक ब्रजेश प्रजापति ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह को अपना इस्तीफा भेज कर पार्टी की प्राथमिक सदस्यता छोड़ने का ऐलान किया।

इसके साथ ही हरकत में आए भाजपा नेतृत्व ने मौर्य को मनाने की कोशिशें तेज कर दी। मौर्य के इस्तीफे की खबर नुमांया होते ही सबसे पहले उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्वामी प्रसाद मौर्य से जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं करने का सुझाव देते हुये आपस में बैठकर बातचीत करने की अपील की। उन्होंने ट्वीट कर कहा, ''आदरणीय स्वामी प्रसाद मौर्य जी ने किन कारणों से इस्तीफा दिया है मैं नहीं जानता हूँ उनसे अपील है कि बैठकर बात करें जल्दबाजी में लिये हुये फैसले अक्सर गलत साबित होते हैं।''

समझा जाता है कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने भी स्वामी प्रसाद मौर्य से संपर्क साध कर उन्हें मनाने की पहल की है। हालांकि योगी सरकार में मंत्री नंदगोपाल नंदी ने मौर्य के मंत्री पद से इस्तीफे को ''विनाश काले विपरीत बुद्ध'' करार दिया।

यूपी चुनाव से पहले बीजेपी में शुरु हुआ इस्तीफों का सिलसिला

लखनऊ, 11 जनवरी (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में 10 फरवरी से 7 मार्च के बीच सात चरणों में होने वाले मतदान से कुछ दिन पहले राज्य में भाजपा से इस्तीफा देने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है।

भाजपा विधायक रोशन लाल वर्मा (शाहजहांपुर) ने कहा है कि वह 'उचित समय' पर भाजपा छोड़ देंगे। स्वामी प्रसाद मौर्य के त्याग पत्र के साथ राजभवन आए रोशन लाल वर्मा ने कहा कि मौर्य की तबीयत खराब थी और इसलिए वह मौर्य का इस्तीफा लेकर आए थे।

उन्होंने कहा कि मौर्य ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा पहले ही ईमेल कर दिया था।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'मैं मौर्य का इस्तीफा मंजूर होने के बाद फैसला करूंगा। अन्य विधायकों के बारे में आपको 14 जनवरी तक पता चल जाएगा।'

इस बीच, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मौर्य के साथ अपनी तस्वीर ट्वीट करते हुए पुष्टि की कि मौर्य सपा में शामिल होंगे।

स्वामी प्रसाद मौर्य और रोशन लाल वर्मा के बाद, बांदा के तिंदवारी से एक अन्य भाजपा विधायक बृजेश प्रजापति ने कहा है कि उन्होंने भगवा पार्टी को अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

वर्मा, प्रजापति और कई अन्य ओबीसी विधायकों ने राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करने के लिए स्वामी प्रसाद मौर्य से मुलाकात की।

बिलहौर से भगवती शरण सागर सहित कुछ विधायकों ने कहा है कि योगी आदित्यनाथ सरकार किसानों, ओबीसी और समाज के अन्य कमजोर वर्गों के हितों का सही से ध्यान नहीं रख पा रही है।

विधायकों ने कहा, स्वामी प्रसाद मौर्य जहां भी जाएंगे, हम वहां जाएंगे। हम बसपा से भाजपा में उनके साथ आए थे और हमारी भविष्य की यात्रा भी उनके साथ ही जारी रहेगी।

मौर्य के त्यागपत्र के बाद अखिलेश यादव ने मंगलवार को ट्वीट किया, सामाजिक न्याय और समता-समानता की लड़ाई लड़ने वाले लोकप्रिय नेता श्री स्वामी प्रसाद मौर्य जी एवं उनके साथ आने वाले अन्य सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का सपा में ससम्मान हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन! सामाजिक न्याय का इंकलाब होगा-बाइस में बदलाव होगा।

गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव से पहले स्वामी प्रसाद मौर्य ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का विधायक दल का नेता रहते हुए अचानक त्यागपत्र देकर भाजपा का दामन थाम लिया था। मौर्य को भाजपा ने पिछड़ों के प्रमुख नेता के रूप में आगे किया था और मंगलवार को उनके इस कदम से भाजपा के खेमे में खलबली मच गई।

माना जा रहा है कि एक अन्य मंत्री धर्म सिंह सैनी भी इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं, लेकिन अभी तक इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है।

फिरोजपुर में होती .....

गुरदीप सिंह गोशा और पूर्व अमृतसर काउंसिलर धर्मवीक सरीन ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और गजेंद्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में बीजेपी की सदस्यता ली।

बता दें कि बीते हफ्ते बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फिरोजपुर रैली को रद्द करना पड़ा था। भारी बरसात की वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला सड़क के रास्ते जा रहा था लेकिन रास्ते में कुछ प्रदर्शनकारियों ने फ्लाईओवर को जाम किया हुआ था। इसकी वजह से पीएम को फ्लाईओवर पर ही 15-20 मिनट खड़े रहना पड़ा। प्रधानमंत्री की सुरक्षा में हुई इस बड़ी चूक के बाद उन्हें फिरोजपुर रैली को रद्द करना पड़ा था।

स्वामी विवेकानंद की ......

उन्होंने जिला युवा अधिकारियों को स्पष्ट कहा कि वे इन सभी गतिविधियों में कोविड के उपयुक्त व्यवहार की पूर्ण पालन कराते हुए इन गतिविधियों को आयोजन करें तथा युवा दिवस व युवा सप्ताह 2022 का जिला प्रतिवेदन निर्धारित समय पर राज्य कार्यालय गांधीनगर भिजें।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR PARROT EVENING
Draw No:159 DrawDate on:11/01/22
1st Prize ₹1 Crore/- 63G 94917
Cons. Prize Rs.1000/- 94917 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
09073 26767 34497 45273 48780 53521 65478 80000 90989 93580
3rd Prize ₹450/-
0778 0973 1368 2257 2523 2599 3394 5343 6256 8627
4th Prize ₹250/-
0820 1781 1804 2144 2356 2403 3338 4461 4971 5638
5th Prize ₹120/-
0188 0199 0325 0508 0547 0626 0687 0691 0924 1022
1105 1132 1179 1213 1240 1343 1420 1424 1705 1940
1986 2038 2114 2247 2271 2456 2510 2665 2739 3254
3333 3373 3468 3492 3755 3927 3939 4087 4118 4197
4281 4513 4538 4599 4631 4842 5176 5276 5353 5401
5587 5692 5898 6003 6087 6129 6132 6247 6274 6338
6399 6616 6650 6772 6793 6801 6851 6893 6897 6910
6983 7152 7397 7649 7906 7930 8035 8115 8160 8215
8350 8374 8445 8502 8588 8606 8727 9119 9190 9194
9247 9252 9377 9419 9469 9512 9552 9688 9729 9792
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MOON TUESDAY
Draw No:59 DrawDate on:11/01/22
1st Prize ₹1 Crore/- 90E 87920
Cons. Prize Rs.1000/- 87920 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
24968 32702 40329 43181 46576 78820 81182 82653 83675 92298
3rd Prize ₹450/-
2025 4080 4337 4496 4527 5041 7778 7851 9246 9716
4th Prize ₹250/-
2215 3305 4796 5443 6731 7316 8449 9090 9116 9320
5th Prize ₹120/-
0102 0218 0318 0351 0419 0420 0682 0719 0776 0827
0888 1288 1457 1484 1661 1875 2036 2049 2058 2089
2128 2150 2195 2202 2415 2435 2593 2609 2666 2698
2715 2716 2748 2786 3034 3063 3191 3193 3215 3399
3406 3702 3800 4140 4143 4264 4295 4368 4381 4421
4515 4723 4803 4948 5528 5530 5589 5671 5765 5781
5887 5901 5963 6025 6311 6624 6948 6990 7002 7083
7117 7188 7216 7383 7440 7495 7513 7609 7707 7742
7831 8015 8035 8097 8304 8680 8708 8719 8733 8922
9064 9145 9352 9354 9496 9509 9538 9604 9649 9691
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR TEESTA MORNING
Draw No:59 DrawDate on:11/01/22
1st Prize ₹1 Crore/- 38G 95608
Cons. Prize Rs.1000/- 95608 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
16168 23332 26509 33311 33370 47939 48009 48534 68181 99637
3rd Prize ₹450/-
0184 1531 3485 3883 4056 4550 5393 5948 8157 8976
4th Prize ₹250/-
0768 2705 3950 4073 7784 7868 8337 8741 9327 9967
5th Prize ₹120/-
0000 0157 0212 0466 0542 0615 0688 0798 0990 0996
1048 1193 1274 1353 1537 1600 2006 2206 2214 2355
2399 2651 2798 3247 3275 3524 3617 3640 3659 3696
3903 3908 3920 4220 4256 4573 4587 4767 4978 5003
5101 5259 5383 5409 5535 5536 5550 5587 5591 5636
5712 5738 5857 5873 5977 6084 6131 6230 6290 6350
6384 6444 6469 6665 6834 6895 6904 6927 7058 7072
7108 7345 7480 7713 7823 7926 7931 7944 8021 8117
8165 8253 8470 8599 8729 9038 9076 9118 9191 9242
9277 9328 9416 9519 9564 9680 9715 9819 9905 9981
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

पाबंदियों का असर

कोरोना संक्रमितों की तेजी से बढ़ती संख्या और ओमीक्रोन वेरिएंट के विस्तार से आशंकित राज्य सरकारें एक बार फिर आंशिक लॉकडाउन की ओर लौट चली हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तो कई पाबंदियां पहले से ही लागू हैं, पर दिल्ली सरकार ने अब और सख्ती बरतते हुए सभी निजी दफ्तरों को भौतिक रूप से बंद करने का फैसला किया है, रेस्तरां, होटलों में बैठकर खाने पर भी रोक लगा दी गई है। वैसे तो, एहतियात बरतने के किसी भी कदम का स्वागत ही किया जाएगा, लेकिन सरकारों को यह भी ख्याल रखना होगा कि उनके किसी कदम की अनिवार्यता और उसके असर से गहरी सामाजिक विसंगति न पैदा होने पाए। दफ्तरों में कर्मचारियों की उपस्थिति को पूरी तरह रोकने से कोविड संक्रमण को काबू में करने में कितना फर्क पड़ा, इसका कोई ठोस अध्ययन अब तक हमारे सामने नहीं आया है, अलबत्ता, ऐसे आंकड़े जरूर हमारे सामने हैं, जो बताते हैं कि पिछले लॉकडाउन ने कितने निम्न-मध्यवर्गीय परिवारों को फिर से गरीबी की खाई में धकेल दिया और बेरोजगारी देश में किस स्तर पर पहुंची!

इसमें तो कोई दोराय हो ही नहीं सकती कि बात जान बचाने की हो, तब गरीबी की चिंता प्राथमिकता सूची में उसके बाद ही रहेगी, मगर विडंबना यह है कि गरीबी की देर तक अनदेखी भी अंततः जानलेवा होती है। पिछले दो साल में देश का विशाल तबका आर्थिक तंगी झेलने को अभिशप्त रहा। यकीनन, सरकार ने अपनी कल्याणकारी भूमिका में गरीबों तक अनाज पहुंचाने के उपक्रम किए हैं, मगर जिंदगी की जरूरतें सिर्फ पेट भरने तक महदूद नहीं हैं। इसके आगे की मांगों के लिए धन चाहिए और जब आर्थिक गतिविधियां ठप होती हैं, तब सबसे ज्यादा मार दिहाड़ी मजदूरों या सबसे कम पगार वाले मुलाजिमों की जिंदगी पर पड़ती है। इसलिए सरकारों को उन्हें ध्यान में रखते हुए ही फैसले करने चाहिए।

पिछले एक साल में भारत ने टीकाकरण के मामले में एक लंबा सफर तय किया है, हालांकि विशाल आबादी के कारण इसे अब भी मीलों की दूरी तय करनी है। कहने की आवश्यकता नहीं कि नई लहर से निपटने के लिए देश के अस्पताल कहीं बेहतर स्थिति में होंगे। सरकार ने इस दौरान स्वास्थ्य क्षेत्र को अधिक आर्थिक संसाधन भी मुहैया कराए हैं। फिर सरकार के ही आंकडे. बता रहे हैं कि इस बार अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता पांच से दस प्रतिशत मामलों में पड़ रही है, जबकि पिछली लहर में 20 से 23 प्रतिशत मरीजों को अस्पतालों की जरूरत पड़ी थी। ऐसे में, अधिक व्यावहारिक कदम उठाने की जरूरत है। केंद्र व राज्य सरकारों और महामारी नियंत्रण से जुड़ी सर्वोच्च नियामक संस्था को इस बात पर गौर करना चाहिए कि एहतियाती कदमों की रूपरेखा तय करते हुए उन वर्गों के आर्थिक हितों की रक्षा हो सके, जो रोजगार के लिहाज से सबसे नाजुक स्थिति में हैं।

ऐसे लोगों में टीकाकरण को अधिक गति देने की दरकार है। एक तरफ, हम बूस्टर डोज देने की शुरुआत कर चुके हैं और दूसरी तरफ करोड़ों लोग अब भी पहले टीके से ही दूर हैं। डब्ल्यूएचओ बार-बार कह चुका है कि महामारी कल ही खत्म नहीं होने जा रही, तो फिर हमें भी इस लिहाज से एक दीर्घकालिक रणनीति अपनाने की जरूरत है, ताकि कोई भी फैसला किसी के साथ निर्मम होने का एहसास नहीं कराए।

संपादकीय पृष्ठ

समाज संस्कारहीन बनकर न रह जाये

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

आज हमारे आसपास का जो माहौल है उसे देखते हुए तो यही महसूस होता है कि लोगों का व्यवहार लगातार संस्कारो की सीमा लांघकर दुर्व्यवहार की ओर बढ़ रहा है। जंगली जानवरों से ज्यादा क्रूर मनुष्य के कृत्य, जिससे मानवता हर पल शर्मसार हो रही है। हर ओर द्वेष, लोभ, अपराध, जुल्म, छल, कपट, नशाखोरी, भ्रष्टाचार, मिलावटखोरी, झूठ, घरेलू कलह, शोर, प्रदूषण अपने चरम पर नजर आता है। बच्चों में बढ़ता अपराध और नशा एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। कहीं संयुक्त परिवार टुटकर छोटे टुकडों मे विभक्त हो रहे है तो कहीं रिश्ते तार-तार हो रहे है। आज के समय में लोगों के लिए आत्मसन्मान, स्वाभिमान, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण, समाधान, धैर्य, परोपकारिता, समता व बंधुता जैसे शब्दों का कोई मोल नजर नहीं आता है। अभी पैसा ही सब कुछ है चाहे वह किसी भी तरह से कमाया जाए, हर कोई सिर्फ अपना हित देखता है, चाहे उसके लिए कितनों का ही हक क्यो न छीनना पडे। ऐसा संस्कार विहीन समाज राष्ट्र को बर्बादी की ओर ले जाता है जहां हर तरफ समस्या ही समस्या होती है।

हर क्षेत्र में कार्यरत व्यक्ति को पता होता है कि उनके विभाग में कहाँ और कैसे उचित-अनुचित व्यवहार किया जाता हैं फिर भी सब मौन धारण कर तमाशबीनों की भूमिका निभाते है। गलत बात को कोई भी रोकना नहीं चाहता, जिससे गलत काम को लगातार बढ़ावा मिलता है। अब तो गलत वालों का समूह बढ़ता जा रहा हैं और सच की राह पर चलने वालों का समूह घट रहा हैं, ऐसा प्रतीत होता है। दूसरे की समस्या की गंभीरता का पता तब तक नहीं चलता, जब तक कि समस्या खुद पर न आ जाए। एक ही कार्यस्थल पर कार्यरत होते हुए भी, सहकर्मी एक-दुसरे की टांग खिंचाई मे लगे रहते है, आपस मे मधुर व्यवहार दर्शाकर भी द्वेष भावना बनाये रखते है, अब तो यह ढोंगी व्यवहार आस-पडोस व रिश्ते-नातों मे भी खूब नजर आता है। आखिर हमारा समाज तरक्की कर रहा है या अनैतिक हो रहा है, लोगों की कथनी-करनी में अंतर अर्थात बाहर दिखावे की जिंदगी और निजी जिंदगी अलग, ऐसी दोगली जिंदगी जीना अब सामान्य हो गया है। खुद के फायदे की बात है तो गलत भी सही है और जब दूसरे के फायदे की बात हो तो गलतियां ढूंढनी शुरू होती है। फैशन, स्टेटस सिंबल और दिखावे के नाम पर लोग जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। बच्चों के रोल मॉडल अब देशभक्त, समाजसेवी नहीं बल्कि फैशनेबल फिल्मी सितारे बन गये है। हमें टेलीविजन और मोबाइल, सोशल मीडिया के फायदे-नुकसान के प्रति सजग होना आवश्यक है।

जो व्यक्ति जितने ऊँचे पद पर आसीन होता है, वह उतना ही कार्य के लिए जनता के प्रति जवाबदेह और जिम्मेदार होता है। हम अक्सर समस्या के लिए एक-दूसरे पर दोष मढ़ते है लेकिन जिन्हें हम मतदान द्वारा चुनकर समाज के विकास के लिए सत्ता पर विराजमान करते हैं उनसे ही सवाल पूछने से हम खुद कतराते हैं। जितना रौब या समझाइश हम अपने घर पर दिखाते है उतनी हिम्मत हम अपने अधिकारों के प्रति क्यों नहीं दिखाते? सरे आम सरकारी नियमों की धज्जियां उड़ाई जाती है। मासूमो के मजबुरी का फायदा उठाने के लिए लालची लोग गिद्ध की भांति नोच खाने के लिए सदैव तत्पर रहते है। ऑक्सीजन की अहमियत जानते हुए भी बड़ी संख्या में पेड़ काट दिए जाते हैं, खुद के छोटे-से फायदे के लिए प्रदूषण, नशा और मिलावटखोरी द्वारा मासूम लोगो को स्लो पॉइजन देकर गंभीर बीमारियों से ग्रसित करके तडपाकर मारा जा रहा है। लोग घर के सामने की सड़क को भी अपनी निजी संपत्ति की तरह उपभोग की वस्तु मानकर धीरे-धीरे अतिक्रमण करके सडक कम कर देते है लेकिन ये कभी नहीं सोचते कि हमारी छोटी सी गलती दूसरों के लिए कितनी दर्दनाक साबित हो सकती है। एक तरफ भुखमरी से जाने जा रही है तो दूसरी तरफ हजारों टन अनाज बर्बाद हो रहा है। हर दिन हम अपने सामने कई समस्याएं देखते हैं, अर्थात एक की लापरवाही, भ्रष्टाचार की सजा दूसरे भुगतते हैं लेकिन कोई कुछ नहीं कहता, तो कोई अपने पद का दुरुपयोग करता है, तो कोई पहचान और सिफारिश से ईमानदारों का हक छीन लेता है। लोग अक्सर सरकारी नियमों का उल्लंघन और असभ्य भाषा व्यवहार का प्रयोग करते है, खुली जगह कचरा जलाते है या फेंकते है, हमेशा लड़ने-झगड़ने के लिए तैयार रहते है, बच्चों के सामने ही सफेद झूठ बोलते है या उनसे झूठ बुलवाते है। लोकलाज, फालतू की झंझट ऐसा सोचकर, सच डरकर और बुराई डराकर जी रही है। हर समय आम मनुष्य को डरकर जीने की आदत हो गई है।

अब मनुष्य का दर्जा, प्रतिष्ठा उसकी दौलत तय करती है न कि उसके सदगुण। एक रुपये कीमत की वस्तु को झूठ दिखावे का लेबल लगाकर सौ रूपये मे बेचा जाता है जबकि अच्छी वस्तु को लागत का भी मोल नहीं मिलता, ये सत्य परिस्थिति है। हमारे देश में जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है फिर भी अनाथालयों से अधिक वृद्धाश्रम बढ़ रहे हैं क्योंकि घरों में बुर्जुगों का वर्चस्व और सन्मान कम आंका जा रहा है। आज मानव उपभोग की वस्तु बनकर रह गया है, जब तक फायदा है तब तक महत्व है, जैसे ही फायदा खत्म, वैसे ही रिश्ते-नाते, आदर, अपनापन खत्म।

बच्चे अपने माता-पिता को घर के बुजुर्ग से दुर्व्यवहार करते देखते हैं और यही माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे संस्कारशाली बनकर समाज में उनका नाम रोशन कर उनकी सेवा करें। सभी माता-पिता अपने बच्चों की खुशी और उज्ज्वल भविष्य के लिए चिंतित हैं लेकिन बच्चों को सही वातावरण निर्माण करके देने की जिम्मेदारी भी उनकी ही होती हैं, वे अपने बच्चों को समाज या देश पर थोप नहीं सकते। हमारे बच्चे बाहर किस माहौल में रहते हैं? किन दोस्तों के साथ समय व्यतीत करते है? कितना सच और झूठ बोलते है? किनसे मिलते-जुलते है? आज इस विषय से कितने प्रतिशत पालक जागरूक है, बच्चों के साथ माता-पिता रोज कितना समय बिताते है, इस विषय पर गंभीरता से सोचना बहुत जरूरी है। बहुत बार माता-पिता या बड़ों का व्यवहार ही शर्मनाक लगता है, अगर बड़ों में ही समझ न हो तो वे बच्चों को क्या संस्कार देंगे? यह आज के समय की सबसे बड़ी समस्या बनकर सामने आ रही है जो अपराधों को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। अक्सर देखा गया है कि हंसकर बच्चों की गलतियों को नजरअंदाज कर दिया जाता है और कहते है कि बच्चा है, लेकिन अच्छे कार्य को प्रोत्साहन और बुरे काम की निंदा होना बेहद जरूरी है तभी बच्चों को सही-गलत के बिच का अर्थ समझ आयेगा। बच्चे को पहली सिख घर से मिलती है, ये बात हमेशा याद रखें। माता-पिता को बच्चों की मानसिकता के साथ-साथ आवश्यकता और दिखावे के बीच के अंतर को समझना चाहिए।

आज का दिन बहुत विशेष है क्योंकि राष्ट्रीय युवा दिवस पूरे देश में एक युवा शक्ति के रूप में मनाया जाता है। आज स्वामी विवेकानंद और राजमाता जिजाऊ जयंती है। जीजामाता ने पुत्र छत्रपती शिवाजी महाराज पर संस्कारशील मार्गदर्शन करके पुरे विश्व में श्रेष्ठ माता व गुरु के रूप में आदर्श स्थापित किया है। युवाओं के प्रेरणास्थान स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि 'उठो, जागो, तब तक संघर्ष करो जब तक सफलता न मिल जाए' ऐसा ऊर्जावान संदेश दिया। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता फिर भी आज का युवा मेहनत करने के बजाय जल्दी तरक्की पाने के लिए शॉर्टकट का मार्ग अपनाना पसंद करते है, ऊपर से देश में बढ़ती बेरोजगारी, आर्थिक विषमता, महंगाई और भी अन्य सामाजिक समस्याएं विकास में रुकावट पैदा करती हैं। विश्व स्तर पर भारत में युवाओं की जनसंख्या सबसे ज्यादा है। यह युवा देश के विकास में मजबूत शक्ति बने न कि देश पर बोझ बन समस्या बढ़ाये ये माता-पिता, पालक साथ ही सरकार की भी जिम्मेदारी है। युवा शक्ती में उत्साह, साहस, धैर्य, सुनहरे सपने होते है अर्थात इस अमूल्य धरोहर का सही प्रयोग ही देश के उन्नती का मार्ग है। देश का भविष्य इन्हीं युवाओं के कंधों पर है इसलिये जैसे मजबूत भवन के लिए मजबूत नींव जरूरी है वैसे ही देश को सुदृढ व विकसीत बनाने के लिए युवाओं को योग्य संस्कार, मार्गदर्शन व उचित वातावरण निर्माण कर देना आवश्यक है और तभी संस्कारशील समाज का निर्माण होकर देश प्रगति पथ पर अग्रसर होगा।

तीसरी लहर में बदलिए तरीका

जुगल किशोर

भारत इस समय कोरोना की तीसरी लहर से जूझ रहा है। दूसरी लहर के लिए जिम्मेदार डेल्टा वेरिएंट की तुलना में ओमीक्रोन में ज्यादा संक्रमण दिख रहा है। यह एक ऐसा वेरिएंट है, जिसमें डेल्टा से ज्यादा म्यूटेशन भी हुए हैं। 32 के करीब म्यूटेशन तो इसके सरफेस एंटीजन (इसको स्पाइक प्रोटीन कहा जाता है) में देखे गए हैं। फिर, इसमें शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भेदने की भी ताकत है। चूंकि कोवैक्सीन को छोड़कर तमाम टीके स्पाइक प्रोटीन के आधार पर ही विकसित किए गए हैं और ओमीक्रोन में स्पाइक प्रोटीन में ही बदलाव हुआ है, इसलिए टीका ले चुके लोग भी कोरोना से संक्रमित हो रहे हैं। फिर भी, सुखद बात यह है कि इसमें गंभीर रोगी तुलनात्मक रूप से बहुत कम दिख रहे हैं।

ओमीक्रोन का कहर ऐसा है कि जिन देशों में पूर्ण टीकाकरण हो चुका है, वहां भी लोग संक्रमित हो रहे हैं और जिन देशों में टीकाकरण की गति बहुत धीमी है, वहां भी यह नया रूप लोगों को परेशान कर रहा है। हां, एक प्रवृत्ति यह जरूर दिख रही है कि जिनको पहले कोरोना हो चुका है, उनको बहुत ज्यादा परेशानी नहीं हो रही। यानी, पूर्व में संक्रमण की वजह से शरीर में जो नैसर्गिक प्रतिरोधक क्षमता बनी है, वह कुछ हद तक ओमीक्रोन के खिलाफ कारगर है।

हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि दोबारा संक्रमण नहीं हो सकता। कुछ मामलों में री-इंफेक्शन देखे गए हैं, पर लक्षण बहुत मामूली हैं। वैसे, डेल्टा की तुलना में इसमें हल्के संक्रमण ही दिख रहे हैं। डेल्टा की वजह से मरीजों का श्वसन तंत्र प्रभावित हुआ था, जिससे उनको सांस लेने में दिक्कतें होने लगी थीं। मगर ओमीक्रोन में ऐसा कुछ नहीं है। यह बहुत ज्यादा परेशानी नहीं कर रहा। इसमें मृत्यु-दर भी डेल्टा की तुलना में बहुत कम है।

फिर भी, यह डर बना हुआ है कि अगर संक्रमण काफी तेजी से फैलता रहा, तो स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। इस चुनौती से पार पाने के लिए हमें कुछ अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। यह सही है कि जब कोई संक्रमण समुदाय के स्तर पर फैल जाए, तो अस्पतालों पर बोझ बढ़ जाता है। सर्दियों में वैसे ही अपने यहां फ्लू के मरीज काफी आने लगते हैं। मगर ओमीक्रोन में सभी मरीजों का अस्पताल आना अनिवार्य नहीं है। भारत में महज 10 फीसदी आबादी को ओपीडी में और एक प्रतिशत आबादी को अस्पताल में संभालने की क्षमता है। अगर इससे ज्यादा मरीज आने लगेंगे, तो अस्पताल हांफने लगेंगे। दुनिया के किसी भी देश में ऐसी स्वास्थ्य सेवा नहीं है, जो अपने तमाम लोगों का एक साथ इलाज कर सके। इसलिए, हमें अपनी रणनीति बदलनी होगी। इसी हिसाब से लोगों को सलाह भी दी जा रही है। जैसे, हल्के लक्षण वाले मरीजों का घर पर ही इलाज किया जा रहा है। हम घरेलू नुस्खों और सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों से तीन से पांच दिनों में मरीज को ठीक कर सकते हैं। चूंकि मरीजों में गंभीर लक्षण नहीं दिख रहे, इसलिए घर पर आराम करना ही बेहतर विकल्प है। बुखार, खांसी, जुकाम आदि होने पर डॉक्टर के परामर्श के मुताबिक मरीज को दवा लेनी चाहिए। इसमें डरने की कतई जरूरत नहीं है।

हां, टीकाकरण को लेकर अब भी आम लोगों में संदेह है, जो उचित नहीं है। यह सही है कि ओमीक्रोन में स्पाइक प्रोटीन बदल जाने की वजह से टीके बहुत कारगर साबित नहीं हुए हैं, फिर भी, इसका फायदा दिखा है। हालांकि, बूस्टर डोज देने का अभी सही वक्त नहीं है। बूस्टर खुराक की जरूरत इसलिए होती है, ताकि शरीर में कम हुई प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाई जा सके। मगर ओमीक्रोन में बूस्टर डोज बहुत फायदेमंद नहीं है। शरीर जिस स्पाइक प्रोटीन के खिलाफ तैयार होगा, वह तो ओमीक्रोन में बदल चुका है। इसी तरह, जब संक्रमण समुदायों में फैल चुका हो और हर व्यक्ति के संक्रमित होने की आशंका हो, तब यदि शरीर में बूस्टर खुराक दी जाएगी, तो शरीर को दोतरफा लड़ाई लड़नी होगी। एक तरफ, वह कुदरती संक्रमण के खिलाफ लड़ेगा, और दूसरी तरफ, टीके की वजह से पैदा किए गए संक्रमण से। इसमें अगर किसी व्यक्ति का शरीर कमजोर हो, तो टीका लेने के बाद उसे परेशानी हो सकती है। बूस्टर खुराक के लिए हमें या तो तीसरी लहर के खत्म होने का इंतजार करना चाहिए अथवा दूसरी लहर के बाद ही इसकी शुरुआत कर देनी चाहिए थी।

यहां यह समझने की भूल न करें कि अगली खुराक कोवैक्सीन लेकर हम वायरस के खिलाफ रक्षा कवच बना लेंगे। ऐसा करना सही नहीं होगा। पहली खुराक जिस टीके की लगी हो, वही दूसरी या बूस्टर में भी लगनी चाहिए। दूसरी या बूस्टर खुराक का मतलब ही यही होता है कि टीके से शरीर में जो प्रतिरोधक क्षमता बनी है, उसकी ताकत और बढ़ाई जाए। यदि हम दोनों बार दो अलग-अलग टीके लगाएंगे, तो मुमकिन है कि शरीर दोनों बार अलग-अलग प्रतिरोधक क्षमता तैयार करे। सरकार ने भी बूस्टर में समान टीका लगाने का निर्देश दिया है। वैक्सीन को मिक्स करके देने की चर्चा पिछले दिनों खूब चली थी, लेकिन हमें तीसरी लहर के खत्म होने का इंतजार करना चाहिए। ऐसा कोई भी प्रयोग अभी अस्पतालों पर बोझ ही बढ़ाएगा।

कई लोगों की एक उलझन यह भी है कि जो किशोर हाल-फिलहाल में 18 वर्ष पूरे कर रहे हैं, तो उन्हें बच्चों के टीके लेने चाहिए अथवा कुछ समय इंतजार करना चाहिए। यहां यह समझना होगा कि शरीर को लेकर ऐसा कोई मापदंड नहीं है कि 18 साल पूरा होने के बाद वह कुछ अतिरिक्त प्रतिक्रिया देगा। दो-चार महीने के आगे-पीछे का कोई मतलब नहीं है। इसलिए टीका लिया जा सकता है। मगर टीकाकरण से पहले अभिभावकों को यह जरूर तय करना चाहिए कि उनके बच्चों को अभी टीके की दरकार है, जब सामुदायिक संक्रमण की वजह से उसके संक्रमित होने की आशंका अधिक हो। अगर संक्रमित शरीर में अन्य कोई रोग हो, तो उसे कोरोना के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता बनाने में काफी मेहनत करनी पड़ सकती है। वैसे भी, अब तक का वैश्विक अध्ययन यही बताता है कि बच्चों को कोविड-टीकाकरण से कोई खास फायदा नहीं होता।

दिवालिया होने के कगार पर श्रीलंका

महेंद्र वेद

चीन के कर्ज के जाल में फंसे श्रीलंका के इस साल दिवालिया हो जाने की आशंका है, तो राजपक्षे परिवार की सत्ता पर मजबूत पकड़ से जनता में आक्रोश भी है। श्रीलंका के आर्थिक संकट के राजनीतिक-सामाजिक संकट में बदलने की आशंका ज्यादा है, जिससे हिंसा और अस्थिरता बढ़ सकती है।

पिछले रविवार को चीनी विदेश मंत्री वांग यी श्रीलंका में चीन की महत्वाकांक्षी पहल बेल्ट ऐंड रोड इनीशिएटिव को आगे बढ़ाने की मांग कर रहे थे, क्योंकि श्रीलंका बीजिंग से मदद चाह रहा है, ताकि वह खुद को विदेशी मुद्रा और ऋण संकट से बचा सके। वांग यी कई देशों की यात्रा करते हुए मालदीव से शनिवार को श्रीलंका पहुंचे थे। श्रीलंका में, वांग का राष्ट्रपति गोतबाया और प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे से मिलने का कार्यक्रम था। बाद में, वांग यी और प्रधानमंत्री को कोलंबो स्थित पोर्ट सिटी में संबोधित करना था, जिसे चीनी निवेश से विकसित किया गया है।

श्रीलंका की सड़कों से फलों के स्टॉल गायब हैं, जो किसी भी समाज की समृद्धि को दर्शाते हैं। चीनी जैसी आवश्यक वस्तु सौ ग्राम के पैक में बेची जा रही है, क्योंकि ज्यादातर लोग एक किलो चीनी एक साथ खरीदने में सक्षम नहीं। राशन की लंबी लाइन के गवाह राष्ट्रपति से पिछले हफ्ते स्थानीय भाषा में वही प्रश्न पूछा गया, जो उन्होंने दो साल पहले सत्ता परिवर्तन को जरूरी बताने के लिए जनता से पूछा था, 'क्या आप खुश हैं?' श्रीलंका के लिए वाकई यह बुरा समय है। दक्षिण एशिया की यह पहली अर्थव्यवस्था है, जो कोविड-19 महामारी के सामूहिक बोझ, घटते राजस्व और एक परिवार (राजपक्षे परिवार के चार सदस्य सत्ता से जुड़े प्रमुख पदों पर हैं) के खराब आर्थिक प्रबंधन के कारण विफल हो सकती है। श्रीलंका इस साल दिवालिया हो सकता है।

मानव विकास सूचकांक में सर्वोच्च स्थान पर रहने वाला यह दक्षिण एशियाई देश, जिसकी इस क्षेत्र में दूसरी सबसे अधिक प्रति व्यक्ति आय थी, कैसे आर्थिक संकट में फंस गया है, यह एक दुखद कहानी है, जिसकी व्याख्या आसान नहीं। इसने अभी तय नहीं किया है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से आपातकालीन राहत मांगी जाए या नहीं। अगर वह राहत मांगे भी, तो इस प्रक्रिया में लंबा समय लगेगा। 2.2 करोड़ लोगों की बढ़ती मुसीबतें इतनी जल्दी दूर नहीं की जा सकतीं। श्रीलंका के मौजूदा आर्थिक संकट के राजनीतिक और सामाजिक संकट में बदलने की आशंका है, जिससे हिंसा और सामाजिक अशांति फैल सकती है।

यदि वहां हिंसा भड़कती है और सरकार उसका दमन करती है, तो वह वहां के लोगों के लिए तो दुर्भाग्यपूर्ण होगा ही, इससे पूरे क्षेत्र में नकारात्मक संकेत भी जा सकते हैं। अतीत में तमिल जातीय अशांति को क्रूर सैन्य शक्ति से हल किया ही गया था। वैसा करने वाले तत्कालीन रक्षा सचिव गोतबाया आज देश के राष्ट्रपति हैं। उस समय महिंदा राजपक्षे राष्ट्रपति थे, जो अब प्रधानमंत्री हैं। इन दोनों के अलावा परिवार के दो अन्य सदस्य भी सरकार में शामिल हैं-वित्त मंत्री बासिल राजपक्षे और खेल मंत्री निमल राजपक्षे। यह अपने आप में श्रीलंका के लोकतंत्र पर एक दुखद टिप्पणी है, जिसे फिलहाल उस देश के आर्थिक संकट के मद्देनजर नजरंदाज किया जा सकता है।

पिछले दिनों श्रीलंका के नेता मदद मांगने भारत आए थे। तब 1.9 अरब डॉलर की सहायता के अलावा ईंधन के लिए 50 करोड़ डॉलर की क्रेडिट लाइन और 40 करोड़ डॉलर नकदी की आपूर्ति पर चर्चा हुई। उन्होंने बांग्लादेश और कुछ दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से भी वित्तीय मदद मांगी है। लेकिन ये अस्थायी उपाय हैं। ऐसे में, चीन और उसके कई अरब डॉलर वाले बीआरआई पर उंगली उठना लाजिमी है। कर्ज के जाल में फंसने की आशंका के बावजूद छोटे देशों के लिए चीन का विरोध करना मुश्किल हो गया है। जहां तक श्रीलंका की बात है, हाल की सरकारों ने विपरीत रुख अपनाया। महिंदा राजपक्षे की सरकार ने जहां चीनी निवेश प्रस्तावों का स्वागत किया, वहीं मैत्रीपाला सिरीसेना ने कुछ प्रस्तावों को खारिज भी किया था।

अब जब श्रीलंका पर चीनी कर्ज का जोखिम बना हुआ है, कोलंबो ने भारत और जापान से और कर्ज लिया है। इस वर्ष श्रीलंका पर कुल बकाया 6.9 अरब डॉलर होगा। श्रीलंका पर चीन का पांच अरब डॉलर का कर्ज है। इसके अलावा भी वित्तीय संकट से निपटने के लिए उसने पिछले साल बीजिंग से एक अरब डॉलर कर्ज लिया था, जिसका अब वह किस्तों में भुगतान कर रहा है।

श्रीलंका के लिए दुखद यह है कि राजपक्षे परिवार दो साल पहले चुनाव में सिंहली कार्ड खेलकर और उज्ज्वल भविष्य का वादा कर सत्ता में आया, लेकिन यह अवधि कोरोना महामारी की भेंट चढ़ गई। इससे बड़े उद्योग-धंधे प्रभावित हुए। 10.9 फीसदी राजस्व हासिल करने वाला पर्यटन उद्योग भी आज संकट में है और दो लाख लोग घर बैठे हुए हैं। हालांकि लंबे समय तक कोविड संकट आर्थिक मंदी का तात्कालिक कारण था, लेकिन अन्य वजहें भी थीं, जिनमें सरकार का भारी खर्च, कर में कटौती, जिससे देश का राजस्व बुरी तरह प्रभावित हुआ, विदेशी मुद्रा भंडार में भारी कमी और बड़े पैमाने पर चीनी कर्ज का भुगतान आदि शामिल हैं। विगत नवंबर में मुद्रास्फीति 13 साल के उच्च स्तर पर दहाई अंकों में थी। रोजमर्रा की जरूरत की सभी चीजों की कीमतें कई गुना बढ़ गई हैं। विदेशी मुद्रा भंडार नवंबर के अंत में गिरकर 1.6 अरब डॉलर रह गया, जो चालू विदेशी भुगतान के एक महीने की राशि से भी कम है। व्यापार के क्षेत्र में भी नकारात्मक संकेत हैं।

वैश्विक बाजार में मनोबल ऊंचा रखने और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सरकार ने विगत चार जनवरी को 1.2 अरब डॉलर के आर्थिक राहत पैकेज की घोषणा की।

खुद को मानते हैं गणित का एक्सपर्ट तो इन फील्ड में बना सकते हैं शानदार करियर

गणित का नाम चुनते ही बहुत से छात्र दूर भागते हैं, छात्रों के बीच गणित विषय को बेहद कठिन विषय समझा जाता है। यही कारण है कि गणित विषय की पढ़ाई के दौरान छात्रों को नींद तक आने लगी है। हालांकि यदि आप प्रारंभ से ही गणित विषय को सही प्रकार से समझें, तो इस विषय में अच्छी पकड़ बनाकर महारत हासिल कर सकते हैं। गणित विषय का मतलब केवल जोड़ना, घटाना, गुणा और भाग देना नहीं है, इस विषय में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद करियर की अपार संभावनाएं हैं। ज्ञान की दुनिया में गणित विषय असाधारण भाषा है, आज के समय में पूरी टेक्निलॉजी व इकोनॉमी जगत इसी भाषा पर टिका है।

भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है। इस देश में प्राचीन काल के कई गणितज्ञों आर्यभट्ट, वराह मिहिर, महावीराचार्य, ब्रह्मगुप्त, श्रीधराचार्य ने अपने ज्ञान से इस मानव सभ्यता के विकास में योगदान दिया। वहीं आधुनिक काल में डॉ.गणेश प्रसाद, प्रोफेसर बीएन प्रसाद, श्रीनिवास रामानुजन इत्यादि ने गणित की सुदृढ़ नींव रखी है। इस आर्टिकल के माध्यम से आज हम आपको गणित में 8 ऐसे करियर ऑप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपना शानदार करियर बना सकते हैं।

इकोनॉमिस्ट

आर्थिक रुझानों का अन्वेषण करके उसका मूल्यांकन करने का कार्य एक इकोनॉमिस्ट करता है। साथ ही यह भविष्य को लेकर पूर्वानुमान जारी करता है। इनका कार्य विभिन्न विषयों जैसे महंगाई, कर, ब्याज दर, रोजगार का स्तर आदि का डेटा संग्रह करना है। ये उस डाटा पर रिसर्च व विश्लेषण करते हैं। एक इकोनॉमिस्ट बनने के लिए गणित विषय को जरूरी माना जाता है। इसके लिए इकोनॉमी में बैचलर डिग्री होना और गणित पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है। इसके बाद इकोनॉमिक्स, इकोमेट्रिक्स, ऐप्लाइड इकोनॉमिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होना चाहिए।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेर इंजीनियरिंग में करियर की नींव ही गणित के ज्ञान से पड़ती है। सॉफ्टवेयर इंजीनियरों का काम सॉफ्टवेयर डिजाइन करना और उसे डेवलप करना होता है। इस काम में छात्रों को कम्प्यूटर साइंस के साथ-साथ मैथ्स की थ्योरी और उनके सिद्धांतों का प्रयोग करना पड़ता है। इस क्षेत्र में एक्सपर्ट छात्रों के लिए बहुत अच्छे विकल्प मौजूद है, तथा अगले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में काफी संभावनाएं आने वाली हैं। जो छात्रों के हित में मददगार साबित होंगे।

स्टैटिस्टिक्स

जिन लोगों को गणित में महारत हासिल है, उनके लिए स्टैटिस्टिक्स में करियर बनाना बहुत अच्छा विकल्प है। एक स्टैटिस्टिक्स को डाटा का विश्लेषण करना, परिणामों को चार्ट्स, बार ग्राफ, टेबल के रूप में प्रस्तुत करने का काम करना होता है। हेल्थ केयर, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में स्टैटिस्टिक्स की काफी मांग होती है। स्टैटिस्टिक्स बनने के लिए आपके पास मैथमेटिक्स स्टैटिस्टिक्स में स्नातक की डिग्री या फिर स्टैटिस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होना जरूरी है।

चार्टर्ड एकाउंटेंट

अगर आप चार्टर्ड एकाउंटेंट बनना चाहते हैं, तो इसका जान लें कि इसका पहला रूल ही गणित में दक्ष होना है। क्योंकि चार्टर्ड एकाउंटेंट यानि कि सीए का पूरा काम एकाउंटिंग, ऑडिटिंग और टैक्सेशन से जुड़ा होता है। अर्थवय्वस्था में तेजी से वृद्धि के चलते फाइनेंस और एकाउंट से जुड़े क्षेत्रों में करियर के नए स्कोप जुड़ते जा रहे हैं। गणित में रूचि रखने वाले छात्रों के लिए यह एक अच्छा करियर विकल्प बन सकता है।

डाटा एनालिस्ट

डाटा एनालिस्ट का गणित से अटूट संबंध है। इसके लिए विभिन्न गणितीय सूत्रों और एल्गोरिदम के व्यापक ज्ञान की आवश्यकता होती है। एक डाटा एनालिस्ट का कार्य डेटा एकत्र करना और मिलान करना, डैशबोर्ड बनाना, संबंध डेटाबेस को डिजाइन करना और बनाए रखना जैसे बहुत कुछ शामिल है। वे संगठनात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने, डेटा को साफ करने, व्याख्या करने और विश्लेषण करने, अपने निष्कर्षों की रिपोर्ट करने और हितधारकों के लिए आगे का रास्ता बताने के लिए आईटी फंक्शन के साथ मिलकर काम करते हैं। डाटा एनालिस्ट के पास अच्छा विश्लेषणात्मक कौशल, विभिन्न सांख्यिकीय टूल का नॉलेज होना जरूरी है।

बैंकिंग

अगर आपकी गणित में अच्छी पकड़ है तो आपके लिए बैंकिंग सेक्टर में व्यापक करियर ऑप्शन मिल जाएंगे। यहां पर आप एकाउंटेंट, कस्टमर सर्विस, फ्रंट डेस्क, कैश हैंडलिंग, एकाउंट ओपनिंग, करंट एकाउंट, सेविंग एकाउंट, लोन प्रोसेसिंग ऑफिसर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिकवरी ऑफिसर के प्रोफाइल्स पर अपना शानदार करियर बना सकते हैं। इन सभी में मैथमेटिकल स्किल्स का होना जरूरी है।

मैथमेटिशियन

अगर आपको लगता है कि मैथ के साथ आपका कई जन्मों का रिश्ता है और आप अपने आप को इस विषय में सबसे ज्यादा माहिर समझते हैं, तो मैथमेटिशियन बनना आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। यह ऐसा प्रोफेशन है, जहां पर गणित के बुनियादी क्षेत्र का अध्ययन या रिसर्च संबंधी कार्य किया जाता है। इसके अलावा इनका कार्य लॉजिक, ट्रांसफार्मेशन, नंबर आदि समस्याओं का निर्धारण करना भी है। इस क्षेत्र में भी गणित का ज्ञान होना बहुत जरूरी है। इस क्षेत्र में छात्र अच्छा मुकाम हासिल कर सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट आईटी टूल्स का उपयोग करते हुए किसी भी एंटरप्राइजेज को लक्ष्य पूरा करने में मदद पहुंचाते हैं। यदि आपको गणित का ज्ञान नहीं तो आप इस फील्ड में आगे नहीं बढ़ सकते। वहीं अगर आपका गणित के प्रति रुझान है तो आप इस विषय में मास्टर हैं, तो यहां पर शानदार करियर बना सकते हैं। ज्यादातर सिस्टम एनालिस्ट अपना काम कम्प्यूटर और सॉफ्टवेयर के जरिए करते हैं तथा इसे ठीक तरह से समझने के लिए गणित पहली नींव है।

हमारे देश में लाखों लोग ऐसे हैं, जो शानदार तरीके से इंग्लिश को लिखना और समझना जानते हैं, लेकिन जब बात इंग्लिश स्पोकन की आती है, तो वो भी हाथ खड़े कर लेते हैं। वहीं कई ऐसे लोग भी होते हैं जिनकी इंग्लिश स्पीकिंग स्किल्स अच्छी होती है, लेकिन वह फ्लो और नेटिव इंग्लिश बोलना चाहते हैं। नेटिव इंग्लिश के लिए एक अच्छे प्रोसेस की जरूरत होती है, जिसमें न सिर्फ बोलना, बल्कि सुनना भी बेहद जरूरी है।

चाहते हैं नेटिव स्पीकर्स की तरह इंग्लिश बोलना तो इन टिप्स को करें फॉलो

ग्लोबलाइज होती इस दुनिया में आज के समय इंग्लिश लैंग्वेज का आना बहुत जरूरी है। इस लैंग्वेज में आपको जितनी माहरत हासिल होगी, आपको करियर में आगे बढ़ने के मौके भी उतने ही मिलंगे। हमारे देश में लाखों लोग ऐसे हैं, जो शानदार तरीके से इंग्लिश को लिखना और समझना जानते हैं, लेकिन जब बात इंग्लिश स्पोकन की आती है, तो वो भी हाथ खड़े कर लेते हैं। वहीं कई ऐसे लोग भी होते हैं जिनकी इंग्लिश स्पीकिंग स्किल्स अच्छी होती है, लेकिन वह फ्लो और नेटिव इंग्लिश बोलना चाहते हैं। नेटिव इंग्लिश के लिए एक अच्छे प्रोसेस की जरूरत होती है, जिसमें न सिर्फ बोलना, बल्कि सुनना भी बेहद जरूरी है। जब भी आप किसी नेटिव स्पीकर को इंग्लिश बोलते हुए सुनते हैं, तो उनसे सीखना बेहद आसान हो जाता है। तो चलिए जानते हैं कौन-सी हैं वे आसान टिप्स, जिनसे आप भी नेटिव इंग्लिश बोलना सीख सकते हैं।

अपने एक्सेंट पर ध्यान दें

इंग्लिश लैंग्वेज में मोटिवेशन, रिपीट करना और एक्सपोजर बहुत अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए, नेटिव स्पीकर्स की लाइंस, सेंटेंस और भावों को दोहराएं, उन्हें अपने रोजाना के कम्युनिकेशन में इस्तेमाल करके याद रखने की कोशिश करें। साथ ही ऐसे लोगों के साथ संपर्क बनाए रखें, जिसकी नेटिव इंग्लिश बहुत अच्छी हो। संभव हो तो सोशल मीडिया के माध्यम से किसी विदेशी के संपर्क में रहने की कोशिश करें और उससे बातचीत करें। इससे आपकी झिझक खत्म हो जाएगी और आप उनके मॉडुलन, इंटोनेशन और सबसे जरूरी कल्चर के आदी हो जाएंगे।

शब्दावली अच्छी करें

अगर इंग्लिश में अपनी पकड़ बनाना चाहते हैं तो, किसी भी नए इंग्लिश कंटेंट को सुनने के बाद उसे रिकॉल जरूर करें यानि दोहराते रहें। अपनी इंप्रूव की गई शब्दावली को लिखें और उसे रोजाना याद करें। जब भी आप इंग्लिश का टेस्ट, मॉक टेस्ट या एग्जाम देते हैं, तो ज्यादा से ज्यादा नई शब्दावली का इस्तेमाल करें। जब भी हम नेटिव स्पीकर को भाव व्यक्त करते हुए सुनते हैं, तो उसे इस्तेमाल करना आसान हो जाता है। कभी-भी अपनी शब्दावली को रिकॉल करना न भूलें, उन्हें लॉन्ग टर्म मेमोरी में रखें।

टेक्नोलॉजी का भरपूर इस्तेमाल करें इंग्लिश स्पीकिंग में सुधार के लिए आप टेक्नोलॉजी का उपयोग भी कर सकते हैं। इंग्लिश के अपने एक्सेंट, वाक्यांश और एक्सप्रेशन को रिकॉर्ड करने के लिए आप अपने स्मार्ट फोन का उपयोग करें। अपनी स्पोकन को रिकार्ड करके उसकी दूसरी रिकॉर्डिंग के साथ तुलना करें। अपनी कमियों में सुधार करके वापस रिकॉर्ड करें और खुद को अच्छा करने के लिए मोटिवेट करें। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से नेटिव ट्यूटर्स की वीडियो देखें। इंग्लिश फिल्में और गाने देखें, जिससे आप उनका कल्चर भी समझ सकें। नेटिव स्पीकर्स के एक्सप्रेशन और बातचीत की स्किल्स को याद करने के लिए, संगीत, गीत, शब्द और म्युजिक आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकते हैं।

अपनी वॉइस पर ध्यान दें

नेटिव इंग्लिश बोलने वालों की तरह अपनी वाइस को सही करने के लिए आपको बोलने वाले शब्दों को समझना भी जरूरी है। आप जो शब्द कहते हैं उसे जरूर समझें और नेटिव स्पीकर की तरह एक्सेंट में बोलें। इंग्लिश बोलते हुए आपके शब्दों की स्पीड, क्लैरिटी और टोन में सुधार आपकी स्पीकिंग को बेहतर बनाने में मदद करेगा। यह टिप नेटिव स्पीकर्स को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगी। रोजाना इडियम सुनें और उन्हें अपनी बोलचाल में इस्तेमाल भी जरूर करें।

जोर से बोलकर पढ़ें

अपनी इंग्लिश स्पीकिंग को बेहतर बनाने के लिए इसे जोर से पढ़ना काफी फायदेमंद रहता है। यह अपनी एक्सेंट पर काम करने का एक शानदार तरीका है, इससे आपके शब्दो में क्लैरिटी आएगी। अगर आपने नेटिव स्पीकर्स को सुनने में काफी समय बिताया है, तो उनके बात करने के तरीके की नकल करने का प्रयास करें। भाषा के फ्लो के साथ अपनी आवाज को तेज और धीरे करने की कोशिश करें। ध्यान रखें जब भी आपको किसी शब्द में कंफ्यूजन हो, तो नेटिव स्पीकर उसे कैसे बोलते हैं यह जानना न भूलें।

स्लैंग बोलते समय अपनाएं ये तरीका

अलग-अलग नेटिव स्पीकर्स अपने कम्युनिकेशन के दौरान अलग-अलग तरह के स्लैंग का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इनका मतलब एक ही होता है, लेकिन नेटिव स्पीकर्स अपने मुताबिक उन्हें बोलते हैं। आप एक नेटिव स्पीकस्र की तरह बोलेने में कभी झिझकें नहीं। अगर आप कलती करोगे तो उसे सीख कर सुधार भी करोगे, लेकिन अगर आप बोलोगे ही नहीं तो कुछ सीख भी नहीं पाओगे।

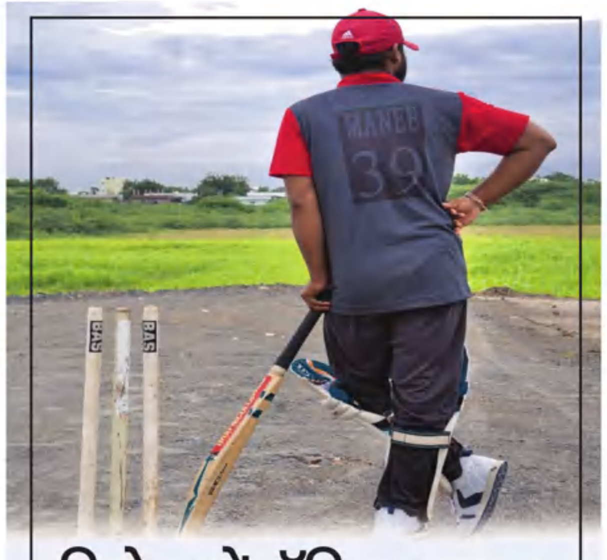

क्रिकेट में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो ऐसे करें तैयारी

क्रिकेट में करियर बनाने के लिए आपको पहले क्रिकेट सीखने के लिए अकादमी जॉइन करनी पड़ेगी। देश के सभी बड़े शहरों में क्रिकेट अकादमी हैं जहां पर आप ट्रेनिंग के लिए दाखिला ले सकते हैं। अकादमी में दाखिला लेने से पहले उस संस्थान और कोच के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लें। अगर आपके बच्चे को क्रिकेट में रूचि है तो आप बचपन से ही उसकी ट्रेनिंग शुरू कर दें। वैसे तो क्रिकेट खेलने और सीखने की कोई निर्धारित उम्र नहीं होती लेकिन एक्सपर्ट्स के मुताबिक बच्चे की ट्रेनिंग 7 से 8 साल की उम्र से ही शुरू कर देनी चाहिए।

क्रिकेट अकादमी में लें दाखिला

क्रिकेट में करियर बनाने के लिए आपको पहले क्रिकेट सीखने के लिए अकादमी जॉइन करनी पड़ेगी। देश के सभी बड़े शहरों में क्रिकेट अकादमी हैं जहां पर आप ट्रेनिंग के लिए दाखिला ले सकते हैं। अकादमी में दाखिला लेने से पहले उस संस्थान और कोच के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लें। दाखिला लेते समय यह भी ध्यान रखें कि जिस अकादमी में आप दाखिला लेने जा रहे हैं उसका आपके राज्य के क्रिकेट संघ के साथ संबंध होना चाहिए, यह आपके भविष्य के लिए अच्छा रहेगा।

कैसे होगा आगे के लिए चयन

क्रिकेट अकादमी के दाखिला लेने के बाद खिलाड़ी को कई लेवल पार करने होते हैं। सबसे पहले छात्रों को सम्बंधित क्रिकेट क्लबों के द्वारा आयोजित घरेलू टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिलता है। अगर आपका सिलेक्शन अंडर 15 में नहीं होता तो आपके पास अंडर 16, 17, 18 आदि में खेलने का मौका होता है। इसके बाद आप खेलते-खेलते आप नेशनल टीम जैसे रणजी, इंडिया अंडर 19 टीम में पहुंच सकते हैं। अगर रणजी में आपका अच्छा प्रदर्शन रहा तो आपका सिलेक्शन आईपीएल और टीम इंडिया में भी हो सकता है।

कठिन परिश्रम और धैर्य की होगी जरूरत

क्रिकेटर बनने के लिए आपको कठिन परिश्रम करने की जरूरत होगी। क्रिकेट में कॅरियर बनने के लिए आपको धैर्य रखते हुए मेहनत करनी होगी। शुरुआत में भले ही आपको सफलता ना मिले लेकिन धैर्य और मेहनत से आप एक दिन अपने लक्ष्य को जरूर प्राप्त करेंगे।

सीजीएल परीक्षा को करना है क्रैक तो इस तरह करें पुख्ता तैयारी

कर्मचारी चयन आयोग ने सीजीएल परीक्षा के लिए भर्ती शुरू कर दी है। आयोग ने इस परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 23 जनवरी, 2022 तक शुरू किया है। रेलवे, वित्त, सीएजी, सूचना प्रौद्योगिकी सहित अनेक विभागों में अलग-अलग पदों पर भर्ती निकली है। सीजीएल टियर-1 की परीक्षा अप्रैल में होगी। वहीं इसके टियर-2 और टियर-3 की परीक्षा की तारीख बाद में घोषित की जाएगी।

कर्मचारी चयन आयोग ने सीजीएल परीक्षा के तहत असिस्टेंट अफसर, असिस्टेंट सेक्शन अफसर, असिस्टेंट एकाउंट अफसर, असिस्टेंट इनफॉर्मेशन अफसर, इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, ऑडिटर, टैक्स असिस्टेंट, आदि पदों पर भर्ती निकली है। इस परीक्षा को क्रैक करना लाखों युवाओं का सपना होता है। अगर आप भी इस परीक्षा को पास कर अच्छी सरकारी जॉब करना चाहते हैं, तो आपकी तैयारी पुख्ता होनी चाहिए।

सिलेबस अच्छे समझ लें

सीजीएल परीक्षा की तैयारी करने से पहले सिलेबस को पूरी तरह समझना जरूरी है। इसके सिलेबस में पहेलियां, आकृति-आधारित प्रश्न, कोडिंग-डिकोडिंग, श्रृंखला जैसे विषय पर विशेष रूप से ध्यान दें, क्योंकि ये स्कोरिंग होते हैं। इन्हें हल करना शुरू करें और फिर, अधिक बहुमुखी प्रश्नों पर आगे बढ़ें। यदि आप नियमित रूप से अभ्यास करते हैं, तो आप कुछ हफ्तों के भीतर ही अपनी तैयारी में काफी सुधार देखेंगे। वहीं नॉन-वर्बल रीजनिंग विषय जैसे इमेज असेंबलिंग, फिगर-काउंटिंग आदि प्रश्नों को छोड़ें या अनदेखा न करें। क्योंकि वे शुरू में आपको समय लेने वाले लग सकते हैं। उनका अभ्यास करना उन्हें कम समय लेने वाला बनाने का सबसे अच्छा तरीका है। अभ्यास करते समय आपको उचित सटीकता के साथ 20 मिनट में कम से कम 1520 प्रश्नों का प्रयास करना चाहिए। परीक्षा में भी, इस खंड को पूरा करने की कोशिश 20 मिनट से अधिक समय न दे।

प्रभावी प्रैक्टिस कंटेंट तैयार करें

सीजीएल परीक्षा की तैयारी के लिए अगर आप किसी कोचिंग संस्थान में जा रहे हैं, तो आपको कोचिंग के शेड्यूल अनुसार चलना पड़ेगा। वहीं हमारा सुझाव है कि, इसके अलावा भी आप अपनी ताकत और कमजोरियों के आधार पर अपनी खुद की अध्ययन योजना तैयार करें। एसएससी सीजीएल के लिए सही विश्लेषण का उपयोग कर आप यह जान सकते हैं कि अपनी परीक्षा तैयारी कैसे शुरू की जाए। क्योंकि आपको अपनी कमियों के बारे में पूरी जानकारी होती है।

ग्रुप डिस्कशन में भाग लें

इस परीक्षा की तैयारी में यह सबसे ज्यादा मदद करता है। अगर आप घर पर तैयारी कर रहे हैं, तो आपको एसएससी सीजीएल के बारे में डिस्कशन करना बहुत मुश्किल हो सकता है। इसलिए आप ऑनलाइन माध्यम से अध्ययन मंचों में भाग जरूर लें। इसके लिए आप उन मंचों का चुनाव करें, जो आपको इनपुट और शॉर्टकट प्रदान करने के अलावा आपकी सैद्धांतिक शंकाओं को दूर करने में पूरी तरह सक्षम हों।

ऑनलाइन क्लास में दाखिला लें

अगर आपने किसी कोचिंग सेंटर में दाखिला नहीं लिया है, तो किसी ऑनलाइन क्लास में दाखिला जरूर लें। आज के समय में कई एजुकेशन वेबसाइटें विशेष रूप से एसएससी सीजीएल परीक्षा के लिए मुफ्त ऑनलाइन क्लास देती हैं, इनमें दाखिला लेकर अपनी तैयारी करें। साथ ही उनके द्वारा प्रकाशित अध्ययन सामग्री को मुफ्त में डाउनलोड करें और प्रतिदिन करेंट अफेयर्स पढ़े।

टाइम टेबल बनाकर अध्ययन करें

सभी उम्मीदवारों को इस परीक्षा को क्रैक करने के लिए बहुत मेहनत की आवश्यकता होती है, इसलिए प्रतिदिन 6 से 8 घंटे बिना किसी व्यवधान के अध्ययन करना बेहद जरूरी है। इसका सिलेबस बहुत व्यापक है, अगर आप इतना समय नहीं देंगे, तो इसका सिलेबस पूरा नहीं कर पाएंगे। इसके लिए आप टाइम टेबल बनाए और छोटे-छोटे ब्रेक के साथ अध्ययन करें।

हर सप्ताह एक प्रैक्टिस पेपर जरूर सॉल्व करें

परीक्षा में अपनी गति बनाने के लिए और प्रश्नों के पैटर्न को समझने के लिए हर सप्ताह एक प्रैक्टिस पेपर जरूर सॉल्व करें। वहीं जब परीक्षा नजदीक आ जाए तो प्रतिदिन इन पेपरों को हल कर अपनी क्षमता को पहचानें। इससे आपको अपनी कमियों के बारे में पता चलेगा।

मॉक टेस्ट लें

चूंकि एसएससी सीजीएल परीक्षा अब ऑनलाइन आयोजित की जाती है, इसलिए उम्मीदवारों को कंप्यूटर आधारित परीक्षा से परिचित होना चाहिए। इसके लिए आपको मॉक टेस्ट देकर परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए। इस तरह के मॉक टेस्ट ऑनलाइन फ्री और पैसे देकर दोनों तरह से मिल जाते हैं।

तनाव से दूर रहें

इस परीक्षा की तैयारी करना कोई बच्चों का खेल नहीं है। आप बहुत तनाव और चिंता में रहते होंगे, लेकिन यह स्मार्ट अध्ययन के लिए अनुकूल नहीं हैं। परीक्षा के दिन चिंता आपको अस्थिर कर सकती है। इसलिए आपको तनाव को मैनेज करना होगा। अपने अध्ययन की योजना इस तरह बनाएं कि आप परीक्षा से कम से कम 3 महीने पहले पूरा पाठ्यक्रम पूरा कर लें। परीक्षा से पहले के उन 3 महीनों में, बार-बार रिवीजन और अभ्यास करने का प्रयास करें।

सार समाचार

चीन में पांच मिलियन निवासियों के घर से निकलने पर लगी रोक, कोरोना से परेशान हुआ ड्रेगन

बीजिंग। 2019 दिसंबर से कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया की जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। चीन भी इस प्रकोप को झेल रहा है। कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रोन से मामले बढ़ते जा रहे है और इसके प्रसार को रोकने के लिए लॉकडाउन का ऐलान कर दिया है और पांच मिलियन निवासियों को अब घर से निकलने पर रोक लगा दी है। वहीं चीन की राजधानी बीजिंग भी हाई अलर्ट पर है। बता दें कि, फरवरी महीने में चीन शीतकालीन ओलंपिक की मेजबानी करने वाला है। बीजिंग से ही नजदीक तियानजिन में भी कोरोना के केस काफी बढ़े हुए है क्योंकि यहां से रोज हजारों लोग आना-जाना करते हैं। इस बीच लॉकडाउन, सीमा प्रतिबंधों और क्वारटिंन भी लागू किया गया है।

चीन में ओमिक्रोन से बढ़ रही परेशानी

तेजी से फैल रहे ओमिक्रोन वेरिएंट से चीन में एक परेशानी खड़ी कर रहा है। बता दें कि,आन्यांग में दो मामले दर्ज हुए हैं और वहीं हेनान प्रांत को भी बंद कर दिया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के आन्यांग में सोमवार देर रात से लॉकडाउन लागू कर दिया गया है। इस लॉकडाउन के बीच लोगों को सड़को पर कार चलाने की भी मनाही है। सभी गैर जरूरी व्यवसायों को बंद कर दिया गया है। चीन के आन्यांग में शनिवार से लेकर अब तक 84 कोरोना के मामले दर्ज किए गए है।

शक्तिशाली भूकंप से हिला साइप्रस और तुर्की, जानमाल का कोई नुकसान नहीं

निकोसिया। द्वीप देश साइप्रस और तुर्की में भूकंप के जोरदार झटके महसूस किये गये हैं। इसकी शुरूआती तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.1 बताई जा रही है। साइप्रस के भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग ने मंगलवार को बताया कि भूकंप के झटके पूर्वी भूमध्यसागरीय देशों तक महसूस किए गए। हालांकि, अभी तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। भूकंप का झटका सबसे पहले स्थानीय समयानुसार तड़के तीन बजकर आठ मिनट (अंतरराष्ट्रीय समयानुसार एक बजकर आठ मिनट) पर महसूस किया गया। इसका अधिकेंद्र साइप्रस के पश्चिमी तट से 50 किलोमीटर दूर25 किलोमीटर की गहराई में था। भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग ने बताया कि शक्तिशाली भूकंप के बाद भी कई झटके महसूस किए गए। भूकंप के कारण कई लोग खासकर देश के पश्चिमी जिलों के लोग रात में घरों से बाहर निकल गए, क्योंकि इस क्षेत्र में भूकंप का झटका अधिक जोरदार था। पुलिस ने सरकारी प्रसारणकर्ता साइबीसी को बताया कि देशभर में अतिरिक्त गश्ती दल तैनात कर दिये गए हैं, लेकिन अभी तक किसी तरह के नुकसान की जानकारी नहीं है। पड़ोसी देश तुर्की के भूमध्यसागरीय क्षेत्र में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए, लेकिन किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। डीएचए समाचार एजेंसी के अनुसार, तुर्की के दक्षिणी अंताल्या प्रांत के कुछ जिलों में लोग झटकों को महसूस करने के बाद अपने घरों से बाहर निकल कर सड़कों पर आ गए। गौरतलब है कि साइप्रस उस सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है जहां एक आकलन के मुताबिक दुनिया के 15 फीसदी भूकंप आते हैं।

विदेश सचिव श्रृंगला ने भूटान के आर्थिक मामलों के मंत्री से मुलाकात की

नयी दिल्ली विदेश सचिव हर्ष वर्धन श्रृंगला ने सोमवार को भूटान के आर्थिक मामलों में मंत्री ल्योनपो लोकनाथ शर्मा से मुलाकात की और द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि मुलाकात के दौरान पनबिजली क्षेत्र में सहयोग पर भी चर्चा हुई। बागची ने ट्वीट किया, ह्यह्यविदेश सचिव हर्ष वर्धन श्रृंगला ने भूटान के आर्थिक मामलों के मंत्री ल्योनपो लोकनाथ शर्मा की भारत यात्रा के दौरान उनसे मुलाकात की। इस दौरान आर्थिक सहयोग, विशेष रूप से पनबिजली क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा हुई।

पड़ोसियों के प्रति चीन का व्यवहार भयावह, अपने साझेदारों के साथ खड़ा रहेगा अमेरिका : जेन साकी

वाशिंगटन । भारत और अमेरिका को कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने, जलवायु परिवर्तन, चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) और नई एवं उभरती प्रौद्योगिकियों समेत व्यापक पहलों पर साथ आगे बढ़ने की उम्मीद है। ह्वाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा जैसा कि आप जानते हैं कि पिछले सितंबर में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ह्वाइट हाउस में मेजबानी की थी और उनकी बैठक का मकसद अमेरिका-भारत संबंधों के इतिहास में एक नया अध्याय शुरू करना था।

उस समय, दोनों नेताओं ने अमेरिका और भारत के बीच संबंधों को लेकर अपने साझा दृष्टिकोण को साझा किया था और हम इस साल निकटता से मिलकर काम करना जारी रखेंगे। भारत के साथ लगती सीमा पर चीन के आक्रामक व्यवहार संबंधी एक और सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अमेरिका हालात पर लगातार नजर रख रहा है। उन्होंने कहा हम हालात पर निकटता से नजर रख रहे हैं। हम इन सीमा विवादों के वार्ता के जरिए तथा शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते हैं। हम इस बात को लेकर स्पष्ट रहे हैं कि हम क्षेत्र में चीन के व्यवहार को किस प्रकार देखते हैं।

हमारा मानना है कि यह अस्थिर करने वाला हो सकता है और हम अपने पड़ोसियों को डराने की चीन की कोशिश से चिंतित हैं। साकी ने कहा हम इस मामले पर अपने साझेदारों के साथ खड़े रहेंगे। साकी से 2022 में भारत और अमेरिका के संबंधों के संदर्भ में बाइडन प्रशासन के एजेंडे पर सवाल किया गया था, जिसके जवाब में उन्होंने कहा आप उम्मीद कर सकते हैं कि हमारी सरकारें वैश्विक महामारी से लड़ने के लिए सहयोग से लेकर, जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयास तेज करने, द्विपक्षीय तरीके से और क्वाड के जरिए काम करने, व्यापार एवं निवेश में सहयोग बढ़ाने, साइबर और नई एवं उभरती प्रौद्योगिकी तक व्यापक पहलों में आगे बढ़ेंगीं। साकी ने कहा हम हमेशा की तरह वार्ता जारी रखेंगे, हम हमारे लोगों के बीच गहरे संबंधों और हमारे संबंधों के आधार हमारे साझा लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। निसंदेह, हम यहां से संबंधों को आगे बढ़ाएंगे।

विसकोसिन में बर्फ के एक बड़े से टुकड़े पर फंसे हुए 27 लोगों को राहत दल ने बचाया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने कहा, आतंकवाद के लिए कोई बहाना नहीं होगा

जिनेवा। भारत ने कहा है कि देशों को आतंकवादी कृत्यों के लिए बहाने देने के बारे में सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि आतंकवाद के लिए कोई बहाना नहीं होगा है।वहीं मानवता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक का मुकाबला करने के लिए मुद्दे पर खुद को बांटा नहीं जाना चाहिए। भारत फिलहाल वर्ष 2022 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के आतंकवाद रोकथाम समिति की अध्यक्षता कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने कहा, भारत साल 2022 में आतंकवाद रोकथाम समिति की अध्यक्षता करेगा। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि सुरक्षा परिषद में आतंकवाद का मुकाबला हमारी प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है और हम अपनी स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में समिति की अध्यक्षता कर रहे हैं।

भारत वर्तमान में 15-राष्ट्रों की सुरक्षा परिषद का एक अस्थायी सदस्य है और इसका दो साल का कार्यकाल 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त होगा। दिसंबर महीने में भारत अपने कार्यकाल में दूसरी बार शक्तिशाली संयुक्त राष्ट्र निकाय की अध्यक्षता करेगा। भारत अगस्त 2021 में सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष था। तिरुमूर्ति इस वर्ष के लिए आतंकवाद रोकथाम समिति के नए अध्यक्ष हैं। आतंकवाद रोकथाम समिति 9/11 आतंकवादी हमलों के मद्देनजर 2001 में गठित हुई थी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) प्रस्ताव 1373 (2001) ने आतंकवाद रोधी समिति को परिषद के सहायक निकाय के तौर पर स्थापित किया था। तिरुमूर्ति ने कहा कि सुरक्षा परिषद ने आतंकवाद को मानवता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक माना है।

पाकिस्तान में कोरोना ने पकड़ी रफ्तार, सरकार का स्कूल बंद करने और लॉकडाउन लगाने से इनकार

पेरिस (एजेंसी)

पाकिस्तानी सरकार ने कोरोना वायरस के मामलों में उछाल के बाद भी स्कूलों को बंद करने और लॉकडाउन लगाने से इनकार कर दिया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट ने पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी के हवाले से मंगलवार को कहा कि सरकार देश में बढ़ती कोरोना स्थितियों से अवगत है, लेकिन पाकिस्तान एक और लॉकडाउन से नहीं गुजरेगा और स्कूल भी अभी बंद नहीं होंगे।

मंत्री ने यह भी कहा कि कैबिनेट को सूचित किया गया था कि देश में कोरोना पॉजिटिविटी रेट दोगुना हो गया है। लेकिन इसके हमारा यह संकल्प है कि हम पाकिस्तान में पूरी तरह से लॉकडाउन नहीं लगाएंगे। हमारी अर्थव्यवस्था एक और लॉकडाउन का बोझ नहीं उठा सकती है। चौधरी ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि देश कोरोना वायरस से निपट सकता है और सरकार लॉकडाउन नहीं लगाएगी। हालांकि, स्थिति की निगरानी करना जारी रखेगी। मंत्री ने देश के लोगों से कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए मास्क का उपयोग करने का भी आग्रह किया है। फवाद ने यह भी कहा कि देश में उत्कृष्ट कोविड वैक्सीन अभियान चल रहा है। संघीय सरकार ने टीकों में 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था।

भारत ने किया आग्रह, यूरोपीय यूनियन रोके पाकिस्तान को हथियारों की सप्लाई

नई दिल्ली (एजेंसी)

पाकिस्तान एक आतंकवाद समर्थक देश है और इसलिए यूपोपीय यूनियन की तरफ से उसे हथियारों की सप्लाई बंद होनी चाहिए। आतंकवाद और कट्टवाद को समर्थन करने वाले मुल्क पाकिस्तान के लिए ऐसी मांग भारत ने की है। भारत ने फ्रांस से ये आग्रह किया है कि वो यूरोपीय यूनियन से पाकिस्तान को हथियारों की सप्लाई बंद करने के लिए कहे। इसका कारण है पाकिस्तान का आतंकवाद को समर्थन देना। इसके साथ ही एक संभावना की पाकिस्तान को एक संवेदनशील तकनीक यानी जो हथियार सिस्टम यूरोपीय यूनियन पाकिस्तान को दे रहा है उसकी तकनीक वो चीन को बेच देगा। साथ ही पाकिस्तान का खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड भी इसकी इजाजत नहीं देता है। फ्रांस ने इसी महीने यूरोपीय संघ की परिषद की अध्यक्षता संभाली है और यह जून तक रहेगी। इसलिए भारत ने , फ्रांस से यूरोपीय संघ द्वारा पाकिस्तान को हथियारों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की वकालत करने का आग्रह किया है। चीन अब तक पाकिस्तान को रक्षा प्रणालियों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है, जिसमें लड़ाकू जेट, युद्धपोत और पनडुब्बी शामिल हैं। इसके बाद रूस आता है, लेकिन हाल के वर्षों में मास्को द्वारा किसी भी अत्याधुनिक हथियार प्रणाली की आपूर्ति नहीं की गई है। पाकिस्तान को हथियारों का सबसे बड़ा यूरोपीय आपूर्तिकर्ता इटली है, जो उसके द्वारा किए गए आयात का लगभग 6% हिस्सा है।अतीत में फ्रांस ने भारत को आश्वासन दिया था कि वह संवेदनशील हथियार प्रणालियों को पाकिस्तान को हस्तांतरित नहीं करेगा और चीन के साथ सीमा टकराव के बीच नई दिल्ली के साथ खड़ा था।

अमेरिका में बेकाबू हुआ कोरोना का संक्रमण, एक दिन में सामने आए 10.13 लाख कोरोना मरीज

वॉशिंगटन (एजेंसी)

दुनियाभर के देशों में कोरोना ने एक बार फिर से तबाही मचा दी है। अमेरिका में एक बार फिर कोरोना के मामलों ने अपने पिछले सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। देश में महामारी के बाद से दूसरी बार एक दिन में 10 लाख से अधिक नए मामले सामने आए हैं। अमेरिका में 10.13 लाख नए कोविड संक्रमित मिले। इससे पहले पिछले सप्ताह अमेरिका में पहली बार 10 लाख मामले सामने आए थे, जिसके बाद राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने व्हाइट हाउस की कोरोना महामारी पर नजर रखने वाली टीम के साथ आपात बैठक की।

अमेरिका में नवीनतम आंकड़े सोमवार तक 6 करोड़ से ज्यादा हो चुके हैं, जो वैश्विक कोरोना संख्या का लगभग 20 फीसदी है। दुनिया में कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित देश अमेरिका है, वहीं दूसरे नंबर पर भारत का नाम आता है। इस वायरस से मरने वालों की संख्या 837,594 हो गई है। अमेरिका में 516,880,436 लोगों ने वैक्सीन लगवा ली है। कोरोना वायरस का प्रभाव कहीं देखा गया तो वो है अमेरिका, जहां अब तक इस घातक वायरस से सबसे अधिक मौतें दर्ज की गई हैं। दुनिया भर में कोरोना वायरस से मरने वालों में अकेले अमेरिका में 15 प्रतिशत से अधिक मरीज हैं। देश में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 9 नवंबर, 2020 को 1 करोड़ तक पहुंच गई थी। ये 1 जनवरी 2021 को 2 करोड़ की संख्या को पार कर गई, जबकि 24 मार्च को 3 करोड़ से ज्यादा और 6 सितंबर को 4 करोड़ और 13 दिसंबर को 5 करोड़ से ज्यादा हो गई थी। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के अनुसार, अमेरिका में अब रोजाना औसतन 700,000 से ज्यादा नए कोरोना वायरस मामले सामने आ रहे हैं। अमेरिका में सबसे पहले वैक्सीनेशन की शुरूआत हुई थी। इसके बाद बूस्टर डोज और 18 वर्ष से कम की आयु के बच्चों को भी वैक्सीन देने की शुरूआत यहां पर हो चुकी है।

उत्तर कोरिया ने 7 दिन में दूसरी बार मिसाइल किया लॉन्च, साउथ कोरिया को लगा झटका

पेशावर(एजेंसी)

उत्तर कोरिया ने मंगलवार को अपने पूर्वी सागर में एक मिसाइल दागी, जो बैलिस्टिक मिसाइल प्रतीत होती है और एक सप्ताह में यह इसका दूसरा परीक्षण है। यह परीक्षण ऐसे समय में किया गया है जब उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने तमाम अंतरराष्ट्रीय विरोध के बावजूद परमाणु कार्यक्रम का विस्तार करने का आह्वान किया है। इससे पहले उत्तर कोरिया ने 2021 में भी लगातार हथियारों के परीक्षण किए थे, जो इस बात को रेखांकित करता है कि कैसे उत्तर कोरिया वैश्विक महामारी के मद्देनजर लगाए गए अपने लॉकडाउन और अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता में गतिरोध आ जाने के बीच अपनी सैन्य क्षमताओं का विस्तार करना जारी रखे हुए है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि उत्तर कोरिया ने उत्तरी जागांग प्रांत से संभवतः बैलिस्टिक मिसाइल दागी है, जो 700 किलोमीटर की दूरी पर उसके पूर्वी तट के नजदीक समुद्र में गिरी। उसने यह दूरी अधिकतम 10 मैक की गति से तय की।

उन्होंने कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का 'स्पष्ट उल्लंघन' है और पिछले सप्ताह किए गए परीक्षण की तुलना में अधिक उन्नतक्षमता का प्रतीत होता है। वहीं, उत्तरी कोरिया की सरकारी मीडिया ने इसे हाइपरसोनिक मिसाइल बताते हुए सफल परीक्षण करार दिया और बताया कि इस तरह की मिसाइल का पहला परीक्षण गत सितंबर में किया गया था। दक्षिण कोरिया के अधिकारियों ने मिसाइल के प्रकार को लेकर कोई आकलन सार्वजनिक नहीं किया है लेकिन कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया ने हो सकता है कि कथित हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण दक्षिण कोरिया की सेना द्वारा उसके पिछले परीक्षण को ज्यादा महत्व नहीं देने के जवाब में किया है। उत्तर कोरिया ने मंगलवार को तत्काल परीक्षण पर कोई टिप्पणी नहीं दी है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि संदिग्ध मिसाइल उसके विशेष आर्थिक क्षेत्र में गिरी है। जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा ने कहा कि अधिकारी जापान के चारों ओर जहाजों और विमानों की सुरक्षा की जांच कर रहे हैं।

किसी तरह के व्यवधान या क्षति की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है। किशिदा ने कहा, 'यह अत्यंत खेदजनक है कि उत्तर कोरिया लगातार मिसाइल दाग रहा है' और वह भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा उत्तर कोरिया के पहले प्रक्षेपण पर चर्चा के तुरंत बाद। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि मंगलवार को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की आपात बैठक में परीक्षण को लेकर चर्चा की गई, जिसमें उत्तर कोरिया द्वारा लगातार किए जा रहे परीक्षण पर 'गहरा अफसोस' जताया गया और उत्तर कोरिया से वार्ता की मेज पर लौटने का आह्वान किया गया। अमेरिका के हिंद-प्रशांत कमान ने कहा कि परीक्षण से तत्काल 'अमेरिकी सैनिकों या भूभाग या हमारे सहयोगियों' को कोई खतरा नहीं है, लेकिन रेखांकित किया कि उत्तरी कोरिया के परमाणु कार्यक्रम का अस्थिर करने वाला असर हो रहा है। इससे पहले, उत्तर कोरिया ने करीब छह दिन पहले भी पूर्वी समुद्री क्षेत्र में एक संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था।

सऊदी अरब के आधुनिकरण के कोशिश में लगे प्रिंस सलमान से खफा हुए धर्मगुरु, तख्तापलट की आशंका

दुबई (एजेंसी)

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के खिलाफ बगावत हो सकती है। किंगडम के लोगों के बीच क्राउन प्रिंस को लेकर खासा नाराजगी है। सऊदी अरब के धर्मगुरु सलमान से नाराज चल रहे हैं। इसके अलावा, प्रिंस सलमान के परिवार में भी मतभेद पैदा हो गए हैं। यही वजह है कि दो क्राउन प्रिंस अभी भी जेल में हैं। दरअसल, क्राउन प्रिंस सऊदी अरब को आधुनिक बनाना चाहते हैं। लेकिन उनकी पहचान एक तानाशाह के रूप में होती है, क्योंकि वह देश के फैसले बिना समन्वय बनाए हुए ले रहे हैं।

मोहम्मद बिन सलमान अपने देश में मौलाना पॉलिटिक्स को किनारे करना चाहते हैं, उनकी कोशिश है उनका एकछत्र राज चलता रहे। इसको लेकर किंगडम में कई राजनीतिक और धार्मिक पहल एक साथ हो रही हैं, जिससे देश में या तो उनके खिलाफ धरना प्रदर्शन हो सकता है या 1979 में ईरान की तरह धर्मगुरुओं के नेतृत्व में क्रांति हो सकती है। ईरान में 1979 सैय्यद रूहोल्लाह मुसावी खामनेई के नेतृत्व में इस्लामिक क्रांति हुई थी। इस क्रांति के बाद ईरान एक इस्लामिक देश बन गया और पहलवी राजवंश खत्म हो गया। सऊदी अरब की स्थापना 300 साल पहले हाउस ऑफ सौद राजवंश और वहाबी इस्लाम फैलाने वाले धर्मगुरु अब्दुल अल वहाब की दोस्ती के कारण हुई थी।

हाउस ऑफ सौद ने इसे बतौर धार्मिक विचारधारा के रूप में अपनाया था। लेकिन उनके आधुनिकरण के कोशिश से धर्मगुरु उनके खिलाफ हो गए हैं। खबरों के मुताबिक मक्का और मदीना में कोविड की वजह से 2 मीटर के फासले का नियम है। लेकिन पिछले महीने सलमान के एक डांस फेस्टिवल आयोजित किया था जिसमें देश के 7 लाख लड़के और लड़कियों को डांस फेस्टिवल में शिरकत करने को कहा था।

पिछले 300 साल सऊदी अरब में लोगों को डट के आर्थिक सब्सिडी और विचारधारा में वहाबी इस्लाम की खुराक मिली है। इस वजह से वह अब इस सामाजिक फेरबदल के लिए तैयार नहीं है। यानी कि क्राउन प्रिंस के खिलाफ तीन गुट हैं। धर्मगुरु, उनका अपना राजघराना और आम समाज। राजघराना इसलिए नाराज है, क्योंकि प्रिंस सलमान ने अपने परिवार के अधिकतर लोगों को जेल में डाल रखा है। दो क्राउन प्रिंस अभी भी जेल में हैं।

अफगानिस्तान में मारा टीटीपी का टॉप कमांडर, पाकिस्तान के सुरक्षा बलों की हत्या में था शामिल

इस्लामाबाद (एजेंसी)

प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का प्रवक्ता एवं संगठन का अति वांछित कमांडर खालिद बाटली उर्फ मोहम्मद खुरासनी पाकिस्तान के साथ लगने वाली सीमा के पास अफगानिस्तान के पूर्वी नांगरहार प्रांत में मारा गया। रक्षा सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। टीटीपी का शीर्ष कमांडर खुरासनी पाकिस्तान में असैन्य नागरिकों और सुरक्षा बलों के कर्मियों की हत्या में शामिल था। रक्षा सूत्रों ने विस्तार से जानकारी दिए बिना यहां बताया कि उसे अफगानिस्तान के नांगरहार प्रांत में मार गिराया गया। वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने खुरासनी के मारे जाने की पुष्टि की लेकिन हाई-प्रोफाइल घटना की परिस्थितियों के बारे में ब्योरे साझा करने से इनकार कर दिया। सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक, करीब 50 वर्ष की उम्र का खुरासनी गिलगिट-बाल्टिस्तान क्षेत्र का रहने वाला था और 2007 में खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात घाटी में चरमपंथी संगठन में शामिल हुआ था। वह आतंकवादियों के सरगना मुल्ला फजलुल्ला का करीबी हो गया था जो बाद में जाकर टीटीपी का मुखिया बना था। उसे 2014 में टीटीपी का प्रवक्ता बनाया गया था और तब से उसने आतंकवादियों के दुष्प्रचार अभियान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि वह हाल ही में टीटीपी प्रमुख मुफ्ती नूर वली महसूद के नेतृत्व में विभिन्न आतंकवादी गुटों को एकजुट करने के लिए सक्रिय हो गया था और पिछले साल अगस्त में तालिबान के सत्ता में आने के बाद वह अक्सर काबुल की यात्रा कर रहा था। इससे पहले, वह खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान कबायली जिले में एक आतंकवादी ठिकाने का प्रबंधन करता था, लेकिन 2014 में अभियान जर्ब-ए-अजब के दौरान अफगानिस्तान भाग गया था। टीटीपी और पाकिस्तानी सेना के बीच एक महीने के संघर्ष विराम के टूटने के बाद उसे मारा गया है। टीटीपी ने नौ नवंबर, 2021 से एक महीने के लिए सभी हमलों को रोकने की घोषणा की थी।

12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में शुरु होगी आईपीएल मेगा नीलामी: पटेल

वीवो की जगह टाटा होगी प्रायोजक , महाराष्ट्र में होगा पूरा टूर्नामेंट

मुबई (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अध्यक्ष बृजेश पटेल ने कहा है कि आईपीएल मेगा नीलामी अगले माह 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में शुरु होगी। साथ ही कहा कि नई फ्रेंचाइजी अहमदाबाद और लखनऊ को मेगा नीलामी से पहले अपने खिलाड़ियों के साथ करार करने के लिए करीब दो सप्ताह का समय दिया जाएगा। इस संबंध में एक औपचारिक पत्र एक दो दिनों में इन दोनो टीमों को भेज दिया जाएगा।

पटेल ने साथ ही कहा कि विवो की जगह अब टाटा आईपीएल की प्रायोजक होगी। टाटा टूर्नामेंट के 15वें और 16वें संस्करण के लिए इंडियन टी20 लीग के टाइटल प्रायोजक होगा पटेल ने यह भी कहा कि आईपीएल संचालन परिषद ने वीवो के बाहर निकलने के अनुरोध को मान लिया है। पटेल ने कहा कि वीवो बाहर हो गयी है और उसकी जगह टाटा शीर्षक प्रायोजक बनी है। विवो से आईपीएल प्रायोजन सौदे से बाहर निकलने का अनुरोध किया गया था और बीसीसीआई ने उसे मंजूरी दे दी है। साथ ही कहा कि बीसीसीआई टाइटल राइट्स के लिए समान शुल्क जारी रखेगा।

इसके अलावा अहमदाबाद फ्रैंचाइजी के सीवीसी कैपिटल के अधिग्रहण को भी आईपीएल गवर्निंग काउंसिल द्वारा अनुमोदित किया गया है और उसी के संबंध में बीसीसीआई द्वारा आशय पत्र जारी किया जाएगा। पटेल ने कहा, गवर्निंग काउंसिल ने अहमदाबाद टीम के सीवीसी अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है और इस बारे में एलओआई जारी कर दी जाएगी। पटेल ने यह भी कहा कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए एक ही राज्य महाराष्ट्र में पूरा टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा ताकि खिलाड़ियों को कम यात्राएं करनी पड़ें।

वीवो की जगह अब टाटा समूह बना आईपीएल प्रायोजक

अब टाटा समूह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का प्रायोजक बना है। टाटा समूह को इस साल से चीनी मोबाइल निर्माता कंपनी वीवो की जगह आईपीएल का नया प्रायोजक बनाया गया है। आईपीएल की संचालन परिषद ने एक बैठक में यह फैसला किया है। आईपीएल अध्यक्ष बृजेश पटेल ने कहा,'' हां , टाटा समूह अब आईपीएल का नया प्रायोजक होगा।'' वीवो ने साल 2018 से 2022 तक आईपीएल के प्रायोजन अधिकार 2200 करोड़ रूपये में खरीदे थे पर गलवान घाटी में साल 2020 में भारत और चीन के बीच सैन्य टकराव के बाद देश भर में वीवो का विरोध हुआ था। उसको देखते हुए उसने प्रायोजक बनने से इंकार कर दिया था। ऐसे में तब ड्रीम 11 नयी प्रायोजक बनी थी। वीवो हालांकि साल 2021 में फिर प्रायोजक बना पर उसके विरोध को देखते हुए कहा गया कि वह बोली के जरिये अधिकार का हस्तांतरण करेगा जिसे बीसीसीआई ने मान लिया। गौरतब है कि वीवो ने साल 2018 में पांच साल के लिए आईपीएल टाइटल स्पॉन्सरशिप के अधिकार 2190 करोड़ रुपए में खरीदे थे।

रॉस टेलर ने विकेट लेकर किया क्रिकेट को अलविदा, कहा- अलविदा कहने का यह शानदार तरीका

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज रॉस टेलर ने क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। बांग्लादेश के खिलाफ अपने आखिरी टेस्ट मैच में रॉस टेलर ने अंतिम पलों में टीम की अगुवाई की और गेंदबाजी करते हुए एक विकेट भी चटकाया। टेलर के टेस्ट करियर में यह उनका तीसरा विकेट है और इस विकेट के साथ ही न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को दूसरे टेस्ट मैच में पारी और 117 रन से हरा दिया है।

मैच के बाद टेलर ने कहा कि एक जीत और एक विकेट के साथ अपना करियर खत्म करना बहुत अच्छा है। मैं जीत के साथ खत्म करना चाहता था और हमारी टीम ने ऐसा ही किया। बांग्लादेश ने हम पर कई बार दबाव बनाया। यह ठीक है कि हम सीरीज साझा कर रहे हैं। हम मैच की शुरुआत में दबाव में थे लेकिन फिर हमें रन मिले जिससे हमें अच्छी स्थिति मिली। टीम के खिलाड़ियों ने गेंद से भी शानदार वापसी की।

टेलर ने आगे कहा कि मैंने अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का भरपूर आनंद लिया है। यहां (क्राइस्टचर्च में) बहुत खेला है, काफी समय बिताया है और यहां पर क्रिकेट करियर खत्म करना एक शानदार तरीका है। यह सीरीज बहुत ही अच्छी थी। मैं हैरान होता अगर हमें कल दोबारा मैदान में आना पड़ता पर टीम के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और जीत दिलाई।

गौर हो कि रॉस टेलर ने न्यूजीलैंड के लिए साल 2006 में डेब्यू किया था। अपने क्रिकेट करियर में टेलर ने कई बार मैच जिताऊ पारियां खेलीं हैं और टीम को जीत दिलाई है। टेलर ने अपने क्रिकेट करियर में 18 हजार से अधिक रन बनाए और 445 मैच खेले।

जैमीसन पर 15 फीसदी जुर्माना लगा

दुबई (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन पर जुर्माना लगाया गया है। जैमीसन पर बांग्लादेश के खिलाफ समाप्त हुए दूसरे टेस्ट के दौरान यासिर अली को आउट करने के बाद अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के लिए मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी के एक बयान के अनुसार जैमीसन ने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लघंन किया जो एक अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान ऐसी भाषा, एक्शन या हाव भाव का इस्तेमाल करने को लेकर है। यह एक बल्लेबाज को आउट होने बाद आक्रामक प्रतिक्रिया के लिये उकसा सकता है।

इसके अलावा एक डिमेरिट अंक (नकारात्मक अंक) भी जैमीसन के अनुशासनात्मक रिकार्ड में जोड़ दिया गया है जिनका 24 महीने में यह तीसरा उल्लघंन था जिससे उनके कुल तीन नकारात्मक अंक हो गए हैं। इससे पहले जैमीसन ने 23 मार्च 2021 को बांग्लादेश के खिलाफ क्राइस्टचर्च में एकदिवसीय में और पाकिस्तान के खिलाफ तौरंगा में 28 दिसंबर 2020 को टेस्ट मैच में आईसीसी आचार संहिता का उल्लघंन किया था। आईसीसी के अनुसार यह घटना सोमवार को बांग्लादेश की पहली पारी के 41वें ओवर में हुई जब जैमीसन ने यासिर अली को आउट किया और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। जैमीसन ने उल्लंघन और मैच रैफरी जेफ क्रो द्वारा लगाया गया जुर्माना स्वीकार कर लिया है।

भारत बनाम दक्षिण अफीका तीसरा टेस्ट: कोहली और पंत ने संभाला मोर्चा, चायकाल तक भारत का स्कोर 141/4

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीसरा और निर्णायक टेस्ट मैच आज से केपटाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारत ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। अंतिम टेस्ट में कप्तान विराट कोहली की वापसी हुई है। वहीं, चोटिल मोहम्मद सिराज की जगह उमेश यादव को प्लेइंग इ्ववह में मौका दिया गया है। इतिहास रचने के इरादे से उतरी भारतीय टीम ने तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में शुरुआत अच्छी की थी। लेकिन केएल राहुल और मयंक अग्रवाल की जोड़ी पहले विकेट के लिए सिर्फ 31 रन जोड़ सकी। मयंक और राहुल लगातार ओवरों में अपना विकेट गंवा बैठे थे। लंच के बाद चेतेश्वर पुजारा 43 रन बनाकर पवेलियन लौटे। अजिंक्य रहाणे भी सिर्फ 12 गेंद खेल सके। उन्हें रबाडा ने कैच आउट करवाया। रहाणे ने 9 रन बनाया। कप्तान विराट कोहली और ऋषभ पंत क्रीज पर मौजूद हैं। दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है। भारत के पास तीसरा टेस्ट जीतकर दक्षिण अफ्रीका में पहली बार टेस्ट सीरीज जीतने का मौका है।

दक्षिण अफीकी ऑलराउंडर मॉरिस ने संन्यास लिया

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर क्रिस मॉरिस ने खेल को अलविदा कह दिया है। मॉरिस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट लिखकर प्रशंसकों को यह जानकारी दी है। मॉरिस अब कोचिंग में उतरेंगे। उन्हें दक्षिण अफ्रीका की घरेलू क्रिकेट टीम टाइटन्स ने अपना कोच बनाया है। मॉरिस आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी भी रहे थे। आईपीएल 2021 की नीलामी में मॉरिस को राजस्थान रॉयल्स ने 16.25 करोड़ में खरीदा था। उनसे पहले युवराज सिंह नीलामी में बिकने वाले सबसे महंगे खिलाड़ी थे। मॉरिस ने लिखा, आज मै क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास ले रहा हूं। अपने करियर में सहायक और साथ रहे लोगों का में आभारी हूं। क्रिकेट का यह सफर काफी अच्छा रहा है। टाइटन्स टीम में कोचिंग की भूमिका में आकर मुझे काफी अच्छा लगा है।मॉरिस ने अंतिम बार साल 2019 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका की ओर से खेला था। इस टूर्नामेंट में वो दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। उन्होंने तीनों प्रारुपों में कुल मिलाकर कुल 69 मैच में 94 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने साल 22 साल की उम्र में अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था।

अहमदाबाद ने लोकल ब्वॉय को कप्तानी सौंपने का बनाया मन, मुंबई इंडियंस ने हार्दिक को नहीं किया था रिटेन

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का आगामी सत्र भारत में ही खेला जाएगा। इसकी घोषणा बहुत वक्त पहले भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने की थी। लेकिन कोरोना संक्रमण के लगातार बढ़ रहे मामलों के बीच आईपीएल के आयोजन पर खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया कि बोर्ड भारत में ही आईपीएल को आयोजित करने की प्राथमिकता दे रहा है। इसी बीच बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है कि अहमदाबाद फ्रेंचाइजी ने ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाने का फैसला किया है।

आपको बता दें कि आगामी के आगामी सत्र में दो नई टीमें अहमदाबाद और लखनऊ मैदान पर उतरने वाली हैं। ऐसे में इस बार 8 नहीं बल्कि 10 टीमें खेलते हुए दिखाई देंगी। पिछले महीने आईपीएल की पुरानी 8 टीमों ने अपनी पसंद के खिलाड़ियों की सूची आईपीएल प्रबंधन को सौंप दी थी लेकिन दो नई टीमों को इस महीने के दूसरे सप्ताह तक अपनी पसंद के खिलाड़ियों की सूची सौंपनी है। ऐसे में लखनऊ और अहमदाबाद अपनी पसंद के खिलाड़ियों को तलाश रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अहमदाबाद ने लोकल ब्वॉय पर बड़ा दांव खेलने का फैसला लिया है। इसके अलावा फ्रेंचाइजी अफगानिस्तान के स्टार गेंदबाज राशिद खान को भी अपनी टीम में शामिल करना चाहती है। हालांकि राशिद खान की बातचीत अहमदाबाद और लखनऊ दोनों के साथ चल रही है और दोनों ही फ्रेंचाइजी उन्हें अपनी टीम में शामिल कराना चाहती हैं।

बेंगलुरू में होगा मेगा ऑक्शन

बेंगलुरू में 11-12 फरवरी को होने वाले मेगा ऑक्शन से पहले दोनों नई फ्रेंचाइजियों को अपने पसंदीदा खिलाड़ियों के नाम सौंपने होंगे। ऐसे में फ्रेंचाइजी तीन खिलाड़ियों का चयन कर सकती है। जिसमें दो भारतीय और एक विदेशी खिलाड़ी शामिल होगा। हालांकि, कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए मेगा ऑक्शन की तारीख को आगे भी बढ़ाया जा सकता है।

लखनऊ की कप्तानी संभालेंगे राहुल?

केएल राहुल का लखनऊ फ्रेंचाइजी की कप्तानी संभालना लगभग तय माना जा रहा है। हालांकि लखनऊ ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस और साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाड़ा को अपनी टीम में शामिल कराना चाहते हैं। ऐसे में अगर इन खिलाड़ियों के साथ लखनऊ की बात नहीं बनी तो फ्रेंचाइजी राशिद खान पर बड़ा दांव खेल सकती है।

जोकोविच मामले को लेकर शर्मसार महसूस कर रहा: वार्न

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर शेन वार्न ने सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच के ऑस्ट्रेलिया पहुंचने पर हुए वीजा विवाद को लेकर नाराजगी व्यक्त की है। वार्न ने कहा है कि वह इस मामले से 'शर्मसार' महसूस कर रहे हैं। ऐसा नहीं होना चाहिये था। इसके साथ ही वार्न ने कहा कि कोविड-19 संक्रमण के बाद भी जोकोविच ने सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया या नहीं और किसने उसे यहां आने के लिए चिकित्सा राहत दी थी, वह इस बात को जानना चाहते हैं। जोकोविच टेनिस ऑस्ट्रेलिया (सीए) द्वारा चिकित्सा राहत दिए जाने के कारण बिना कोविड-19 टीकाकरण के ही ऑस्ट्रेलिया पहुंच गये थे। जिससे इस मामले में विवाद हुआ था। ऑस्ट्रेलिया पहुंचने पर जोकोविच का वीजा रद्द कर उन्हें हिरासत में रखा गया पर इसके बाद अदालत ने इस मामले में उनका वीजा बहाल करते हुए ऑस्ट्रेलियाई ओपन में खेलने की अनुमति दे दी थी। जोकोविच ने अदालत में कहा था कि उन्हें टीकाकरण की जरूरत नहीं है क्योंकि वह पिछले महीने ही कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे, इस कारण अभी वह टीका नहीं लगा सकते। उस समय हालांकि विवाद हो गया जब बीमारी के दौरान उनके सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने की तस्वीरें साझा की गई थी।

गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी, अदिति सहित दस खिलाड़ी टॉप्स में शामिल

नई दिल्ली । गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी, अदिति अशोक और दीक्षा डागर के साथ ही ओलंपियन घुड़सवार फवाद मिर्जा और अल्पाइन स्कीयर मोहम्मद आरिफ खान सहित 10 एथलीटों को खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) में शामिल किया गया है। लाहिड़ी, अदिति, दीक्षा, मिर्जा और खान को इसके कोर ग्रुप में शामिल किया गया है, जबकि गोल्फर शुभंकर शर्मा और त्वेसा मलिक तथा जुडोका यश घंगास, उन्नति शर्मा और लिंथोई चनंबम को 'डेवलपमेंट ग्रुप' (विकास समूह) में रखा गया है।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के अनुसार इन नये खिलाडियों के जुडने के बाद टॉप्स में कुल खिलाडियों की संख्या बढ़कर 301 हो गयी जिसमें से 107 खिलाड़ी कोर ग्रुप में शामिल हैं। आरिफ अगले महीने बीजिंग में होने वाले शीतकालीन ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाले देश के पहले अल्पाइन स्कीयर हैं। साइ के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने यूरोप में उनके पांच सप्ताह के प्रशिक्षण और उपकरणों की खरीद के लिए 17.46 लाख रुपये की मंजूरी दी है। वहीं फवाद ने जकार्ता एशियाई खेल 2018 में रजत पदक जीता था और पिछले साल टोक्यो ओलंपिक खेलों में वह 23वें स्थान पर रहे थे। अदिति ओर दीक्षा का ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन रहा था जबकि एशिया-ओसेनिया जूनियर चैंपियनशिप में रजत जीतने के कारण जुडोका घंगास , चनंबम ओर उन्नति का टॉप्स में जगह मिली है।

इंडिया ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे शीर्ष वरीय श्रीकांत और सिंधू

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

शीर्ष वरीयता प्राप्त किदाम्बी श्रीकांत और पीवी सिंधू ने इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने अभियान की विजयी शुरुआत करते हुए मंगलवार को दूसरे दौर में जगह बना ली। यहां इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स के केडी जाधव इंडोर हाल में खेले जा रहे सत्र के इस पहले टूर्नामेंट में विश्व चैंपियनशिप के रजत विजेता श्रीकांत ने हमवतन सिरिल वर्मा को 34 मिनट में 21-17 21-10 से हराकर दूसरे दौर में स्थान बना लिया जहां उनका मुकाबला डेनमाक के किम ब्रुन से होगा।

महिला वर्ग में टॉप सीड और ओलम्पिक की कांस्य विजेता सिंधू ने हमवतन श्रीकृष्ण प्रिया कुदरावल्ली को मात्र 27 मिनट में 21-17 21-10 से शिकस्त दी। एक अन्य मुकाबले में समीर वर्मा ने सौरभ वर्मा को 21-7, 21-7 से पराजित कर दिया। इस बीच भारत की अश्मिता चालिहा ने पहला बड़ा उलटफेर करते हुए शुरुआती दौर में पांचवीं वरीयता प्राप्त रूसी खिलाड़ी एवगेनिया कोसेतस्काया को 24-22, 21-16 से हरा दिया। चालिहा ने शुरुआत से ही पकड़ बना ली। उन्होंने लाइन स्मैश का इस्तेमाल कर शुरुआती गेम में 11-5 की बढ़त हासिल की और रूसी खिलाड़ी के खिलाफ सहज दिखीं।

ब्रेक के बाद हालांकि उन्होंने बहुत सारी गलतियां की और कोसेतस्काया को वापसी करने का मौका दिया। कोसेतस्काया ने गेम में वापसी करते हुए स्कोर को 14-14 पहुंचा दिया। लेकिन गुवाहाटी की रहने वाली चालिहा ने अंत में गेम जीतने में सफल रहीं। चालिहा, जो 2019 में खेले गए अपने पहले के मुकाबले में रूसी खिलाड़ी से हार गईं थीं। उन्होंने इस बार रूसी खिलाड़ी को गलतियां करने पर मजबूर किया और फिर दो गेम प्वाइंट बचाकर गेम अपने नाम किया।

दूसरा गेम भी पहले की तरह ही रहा जहां चालिहा ने 11-4 की बढ़त बनाकर केवल रूसी खिलाड़ी को वापसी का मौका दिया। भारतीय खिलाड़ी हालांकि, इस बार अधिक नियंत्रण में थी और उन्होंने 31 मिनट में मैच को खत्म कर दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'मैंने पिछले कुछ वर्षों में ज्यादा मैच नहीं खेले हैं। इसलिए, मैं नर्वस थी, जिससे मैं शुरुआती गेम के बीच प्रभावित हुई, लेकिन एक बार जब मैंने पहला गेम जीत लिया, तो मैं आश्वस्त थी. इसलिए मैं दूसरे मैच में सहज थी। अब उनका सामना फ्रांस की येले होयॉक्स से होगा, जिन्होंने भारत की रिया मुखर्जी को 31 मिनट में 21-14 21-13 से हराया।

एक अन्य मुकाबलों में के साई प्रतीक और गायत्री गोपीचंद ने ईशान भटनागर और तनीषा कास्त्रो को 21-16, 16-21, 21-17 से हराया, जबकि पुरुष युगल में शीर्ष वरीयता प्राप्त मोहम्मद एहसान और हेंड्रा सेतियावान ने भी अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। उन्होंने भारत के प्रेम सिंह चौहान और राजेश वर्मा को 21-18, 21-10 से हराया।

हॉकी इंडिया ने शुतशानी को एनालिटिकल कोच, तारेन व मिशेल को सलाहकार बनाया

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने महिला और पुरुष टीमों के लिए नये कोच और सलाहकार नियुक्त किये हैं। इसी के तहत ही दक्षिण अफ्रीका के पैट्रिक शुतशानी को महिला टीम का नया विश्लेषक (एनालिटिकल) कोच बनाया है जबकि सीनियर पुरूष और महिला टीमों दोनों के लिए तारेन नायडू और मिशेल पेम्बर्टन को सलाहकार बनाया है। शुतसानी इससे पहले कनाडा जूनियर महिला टीम के निदेशक रहे हैं। उन्होंने 2021 महिला पैन अमेरिका जूनियर चैम्पियनशिप खिताब तक उन्हें कोचिंग भी दी थी। वह कनाडा की महिला सीनियर टीम के सहायक कोच भी रहे थे। साल 2009 के बाद से ही कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शुतसानी हांगकांग महिला टीम के साथ भी सहायक कोच रहे हैं। वह दक्षिण अफ्रीका की जूनियर महिला टीम के सहायक कोच और मुख्य कोच रहें हैं। वहीं नायडू भारतीय महिला टीम के वैज्ञानिक सलाहकार की जिम्मेदारी संभालेंगी।

इससे पहले नायडू दक्षिण अफ्रीका की पुरूष और महिला हॉकी दोनों टीमों की मुख्य हॉकी वैज्ञानिक और 'स्ट्रेंथ एवं कंडिशनिंग' विशेषज्ञ के तौर पर काम कर रही थी। वह दक्षिण अफ्रीकी महिला टोक्यो ओलंपिक टीम की मुख्य खेल वैज्ञानिक और 'परफोरमेंस विश्लेषक' भी रहीं थीं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पेम्बर्टन भारतीय पुरूष हॉकी टीम के वैज्ञानिक सलाहकार होंगे। वह हॉकी ऑस्ट्रेलिया के साथ जूनियर पुरूष टीम के 'स्टेंथ एवं कंडिशनिंग' समन्वयक के तौर पर काम रहे थे।

सीएम भूपेश बघेल के पिता ने राष्ट्रपति से की मांग

कहा- बैलट पेपर से हों चुनाव, वर्ना दी जाए इच्छामृत्यु की इजाजत

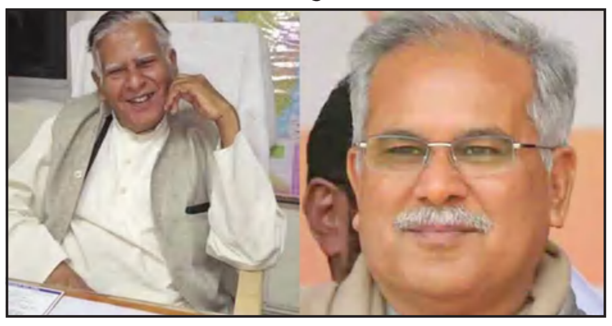

रायपुर, 11 जनवरी (एजेन्सी)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता नंद कुमार बघेल ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को एक चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने मांग की है कि आगे से चुनावों को बैलट पेपर के जरिए कराया जाए। उन्होंने कहा है कि अगर यह मांग नहीं मानी जा सकती, तो उन्हें इच्छामृत्यु की इजाजत दी जाए।

नंद कुमार बघेल की इस चिट्ठी ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। दरअसल, उन्होंने राष्ट्रपति से लिखित तौर पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन्स (ईवीएम) की कार्यशैली पर संदेश जताया है और इन्हें बैलट पेपर के इस्तेमाल से बदलने की मांग की है। चिट्ठी में उन्होंने लिखा, 'इस देश के सभी नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन बड़े स्तर पर जारी है। लोकतंत्र के तीन स्तंभ- न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका, इन सभी को तबाह किया जा रहा है। मीडिया भी लोकतंत्र के इन तीनों स्तंभ के अंतर्गत काम कर रही है। लेकिन देश के नागरिकों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा। नागरिकों में एक डर का माहौल है।'

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल फिलहाल राष्ट्रीय मतदाता जागृति मंच के प्रमुख हैं। यह संस्था मतदाताओं में जागरुकता पैदा करने का काम करती है। हालांकि, इस संस्था की अध्यक्षता के बावजूद नंदकुमार ने ईवीएम के इस्तेमाल पर संदेह जताया है।

उन्होंने कहा, 'लोकतंत्र में मतदान का अधिकार सर्वोच्च अधिकार है और इसके लिए ईवीएम का इस्तेमाल हो रहा है। कोई भी राष्ट्रीय या आंतरिक संस्थान या सरकार ईवीएम को शत-प्रतिशत सही नहीं बता सकतीं। इसके बावजूद भारत में चुनाव इन मशीनों के इस्तेमाल से हो रहे हैं, जिससे मेरे वोट के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इसकी कोई गारंटी नहीं है कि मेरा वोट उन्हीं के पास जाएगा, जिनके लिए मैंने ईवीएम का बटन दबाया है।'

नंदकुमार ने पत्र में लिखा है कि चुनाव आयोग और केंद्र सरकार का संवैधानिक कर्तव्य और दायित्व है कि वे चुनाव में मतदान और मतगणना की ऐसी पारदर्शी व्यवस्था लागू करें, जिसका मूल्यांकन जनता और मतदाता स्वयं कर सकें। उन्होंने लिखा है, 'बैलेट पेपर और बैलेट बॉक्स चुनाव की ऐसी ही व्यवस्था है जो दुनिया के तमाम विकसित देशों में अपनाई जा रही है। वे देश तकनीक में हमसे बहुत आगे हैं, फिर भी अपने नागरिकों के विश्वास के लिए मतपत्र और मतदान पेटी से ही चुनाव कराते हैं। हमारे देश की संवैधानिक संस्थाएं लोकतंत्र में जनता का विश्वास कायम रखने में पूर्णत: विफल होती जा रही हैं और इस मामले में किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई करने को तैयार नहीं है।'

सीएम बघेल के पिता ने पत्र में लिखा है कि ऐसी परिस्थितियों में जब उनके सभी अधिकारों का हनन हो रहा है तो उनके जीने का उद्देश्य ही समाप्त होता जा रहा है। उन्होंने लिखा, 'माननीय राष्ट्रपति जी आपने संविधान की रक्षा की शपथ ली है, लेकिन मेरे संवैधानिक अधिकारों की रक्षा नहीं हो पा रही है जिसके चलते मेरे पास इच्छामृत्यु के अलावा कोई विकल्प शेष नहीं रहा।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर ईवीएम की जगह बैलट पेपर से मतदान संभव नहीं है तो मुझे इस महीने 25 तारीख को राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर इच्छामृत्यु करने की अनुमति प्रदान की जाए।'

होम आइसोलेशन में कोरोना रोगियों को योग करवाएगी दिल्ली सरकार

राजेश अलख

नई दिल्ली, 11 जनवरी । दिल्ली सरकार कोरोना पीड़ित व्यक्तियों को योग और प्राणायाम करवाएगी। राज्य सरकार का मानना है कि इससे कोरोना रोगियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा होगा और योग कोरोना से लड़ने में मददगार साबित हो सकेगा।

दिल्ली सरकार बुधवार से कोरोना रोगियों के लिए यह योग कक्षाएं शुरू करने जा रही है। योग की यह कक्षाएं ऑनलाइन होंगी। यह क्लास उन रोगियों के लिए उपलब्ध है जो होम आइसोलेशन में रह रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि योग और प्राणायाम से रोग प्रतिरोधक शक्ति बहुत बढ़ती है। मैं यह नहीं कहूंगा कि योग कोरोना को ठीक करता है या यह कोरोना की काट है लेकिन इससे कोरोना को डील करने की क्षमता बढ़ती है। इसलिए जो कोरोना रोगी अभी होम आइसोलेशन में है उनके लिए हम योगा और प्राणायाम की ऑनलाइन क्लासेज शुरू करने जा रहे हैं। ऐसे रोगी अपने घर में ही रह कर हमारे प्रशिक्षित योगा टीचर के साथ योगा कर पाएंगे।

मुख्यमंत्री न कहा कि कोरोना से संबंधित कौन-कौन से आसन है, कोरोना से संबंधित कौन-कौन से प्राणायाम है इसकी इन योगा टीचर्स को स्पेशल ट्रेनिंग दी गई है। जितने भी हमारे कोरोना रोगी होम आइसोलेशन में है उन्हें एक लिंक जाएगा, जिसके माध्यम से वे लोग इस पर क्लिक करके होम आइसोलेशन में रह रहे योगी बता सकते हैं कि वह किस समय योग करना चाहेंगे कि वह कितने बजे योगा करना चाहेंगे।

योगा कक्षाएं प्रतिदिन सुबह 6 बजे से शुरू होंगी। 11 बजे तक एक 1 घंटे की 5 कक्षाएं आयोजित की जाएगी। इस दौरान प्रशिक्षित योगा टीचर होम आइसोलेशन में रह रहे कोरोना रोगियों के लिए उपलब्ध रहेंगे।

इसी तरह प्रतिदिन शाम को 4 बजे से 7 बजे तक एक 1 घंटे की तीन क्लास कक्षाएं होंगी यानी 1 दिन में कोरोना योगियों के लिए 8 कक्षाएं आयोजित की जाएगी। इनमें से किसी भी एक क्लास के लिए योगा रोगी स्वयं को रजिस्टर्ड कर सकते हैं। जो भी समय कोरोना रोगियों को सही लगता है उस समय के अनुसार वह योगा का लाभ उठा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने इतने योगा टीचर तैयार कर लिए हैं जिनकी मदद से 40 हजार व्यक्ति एक दिन में योग कर सकते हैं।

एक क्लास में केवल 15 कोरोना योगी ही योगा करेंगे ताकि प्रत्येक योगा टीचर एक एक रोगी को देख सके, प्रत्येक रोगी से बात कर सके और अच्छे से योगा करवा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा भी हो सकता था कि एक योगा टीचर 10,000 लोगों को एक साथ ऑनलाइन योगा करवाए लेकिन ऐसे में प्रत्येक कोरोना रोगी कि अच्छे से देखभाल नहीं हो पाती। आज मंगलवार को ही सभी कोरोना रोगियों के पास इन योगा क्लास के लिए लिंक चले जाएंगे। बुधवार से दिल्ली में यह योग कक्षाएं शुरू हो जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं दिल्ली में भी कोरोना संक्रमण बढ़ा है। लेकिन बीते दो-तीन दिन में दिल्ली में कोरोना फैलने की गति में कुछ कमी आई है। यह अच्छी बात है लेकिन हम अभी भी सावधानी बरत रहे मैं। केजरीवाल ने कहा कि उम्मीद करता हूं कि आने वाले दिनों में यह ट्रेंड जारी रहेगा और कोरोना के बढ़ने की स्पीड कम होगी।

फुल टाइम टूरिज्म, पार्ट टाइम राजनीति; राहुल के विदेशी दौरे पर नकवी

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने राहुल गांधी के उनके हालिया निजी विदेशी दौरे को लेकर निशाना साधा है। नकवी ने मंगलवार को कहा कि सबसे पुरानी पार्टी के नेता को फुल टाइम टूरिज्म, पार्ट टाइम राजनीति की पुरानी आदत है। इसके साथ-साथ नकवी ने पीएम मौदी के पंजाब दौरे के दौरान सुरक्षा में हुई चूक को लेकर भी विपक्ष पर पलटवार किया है।

एएनआई से बात करते हुए नकवी ने कहा, 'प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर कुछ पार्टियां जिस तरह की राजनीतिक साजिश दिखा रही हैं, वह गंभीर चिंता का विषय है। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए नकवी ने कहा कि ग्रैंड ओल्ड पार्टी ने ब्रैंड नेताओं की राजनीतिक पांखड और अंशकालीन राजनीतिक की पुरानी आदत है।

उन्होंने आगे कहा कि वास्तव में मैं हैरान हूं कि किस तरह से पार्टी पंजाब में अपनी सरकार की ओर से पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है। दरअसल, पंजाब में सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार ने कहा है कि राज्य के दौरे के दौरान पीएम मोदी को कोई खतरा नहीं था।

पांच राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'बीजेपी हमेशा जमीन पर काम करने वाली पार्टी रही है। चाहे चुनाव हो या जनता की चिंता का विषय, हमारे कार्यकर्ता हमेशा लोगों से जुड़े रहते हैं और हर समस्या के समाधान की दिशा में काम करते हैं।

जहां तक चुनावों की बात है तो देश के किसी न किसी हिस्से में हर दो महीने में चुनाव होते हैं। इसलिए भाजपा कार्यकर्ता हमेशा चुनाव के लिए तैयार रहते हैं। यही वजह है कि पिछले पांच-छह सालों में भारतीय जनता पार्टी ने करीब 70 फीसदी जगहों पर जीत का झंडा फहराया है।

चुनाव आयोग ने शनिवार को पंजाब, उत्तर प्रदेश, गोवा, पंजाब, मणिपुर और उत्तराखंड में होने वाले विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा की। उत्तर प्रदेश में 10 फरवरी से 7 मार्च तक सात चरणों में मतदान होगा, पंजाब, उत्तराखंड और गोवा में 14 फरवरी को मतदान होगा जबकि मणिपुर में 27 फरवरी और 3 मार्च को मतदान होगा। पांच राज्यों में वोटों की गिनती 10 मार्च को होगी।

दिल्ली के सभी प्राइवेट ऑफिस बंद करने के आदेश, डीडीएमए ने जारी की नई गाइडलाइन

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेन्सी)। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने कोरोना के तेज़ी से बढ़ते मामले के बीच दिल्ली के सभी निजी दफ़्तरों को अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से बंद करने को कहा है। डीडीएमए ने कहा है कि ज़रूरी सेवाओं से जुड़े कर्मचारी को छोड़कर सभी घर से काम करेंगे।

दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने कोरोना के तेजी से बढ़ते मामले के बीच दिल्ली के सभी निजी दफ्तरों को अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से बंद करने को कहा है। डीडीएमए ने कहा है कि जरूरी सेवाओं से जुड़े कर्मचारी को छोड़कर सभी घर से काम करेंगे।

डीडीएमए ने आज नई गाइडलाइन जारी कर सभी निजी दफ़्तरों को अगले आदेश तक बंद करने तत्काल प्रभाव से बंद करने को कहा है। सरकारी कार्यालय में घर से काम करने की अनुमति पहले से है। इससे पहले 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ निजी दफ्तर चलाने की अनुमति था, जिसे आज से बंद कर दिया गया है। उपराज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में कल डीडीएमए की बैठक में होटल, रेस्तरां में बैठकर खाने पर पाबंदी लगा दी गयी थी, जबकि टेक अवे और होम डिलीवरी की अनुमति दी है।

इसके अलावा, प्रति जोन प्रति दिन केवल एक साप्ताहिक बाजार को संचालित करने की अनुमति होगी।

राज्यपाल ने यह कहा कि स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों में अतिरिक्त जनशक्ति के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने और टीकाकरण के प्रयासों को बढ़ाने के लिए सलाह दी गई है, जिसमें 15 से 18 वर्ष की आबादी वाले लोग भी शामिल हैं।

बैजल ने आगे ट्वीट किया, 'विशेषज्ञों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद यह सलाह दी गई कि संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए कोविड उपयुक्त व्यवहार को लागू करने पर जोर देने के साथ टेस्ट, ट्रैक और ट्रीट की रणनीति का पालन करें।'

एलजी ने अतिरिक्त सतर्कता और कोविड -19 दिशानिर्देशों के सख्त पालन के महत्व पर भी जोर दिया।

डीडीएमए की बैठक में फैसला किया गया कि राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 मामलों में बढ़ोतरी के बीच प्रतिबंधों को और कड़ा किया जाएगा, लेकिन अभी के लिए कोई लॉकडाउन नहीं होगा। डीडीएमए की बैठक में इस बात पर चर्चा की गई कि मौजूदा पाबंदियों को कैसे सख्ती से लागू किया जाए, ताकि कोरोना वायरस और इसके नए स्वरूप ओमिक्रॉन को फैलने पर अंकुश लगाया जा सके। दिल्ली में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 19166 नए मामले सामने आए हैं, जबकि संक्रमण दर 25 प्रतिशत है। दिल्ली सरकार की ओर से आज जारी आंकड़े के अनुसार पिछले 24 घंटे में कोरोना के 19166 नए मामले सामने आए हैं, जबकि इस दौरान 17 लोगों की मौत हुई है।

80 सीटों पर पंजाब चुनाव लड़ने की की तैयारी, सीटों पर फैसला जल्द

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेन्सी)। पंजाब में पहली बार बड़े भाई की भूमिका में विधान सभा चुनाव लड़ने जा रही भाजपा राज्य की 117 सीटों में से लगभग 80 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है।

प्रदेश की बाकी बची हुई सीटों पर भाजपा के गठबंधन सहयोगी अमरिंदर सिंह की पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस और सुखदेव सिंह ढींढसा की पार्टी शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) चुनाव लड़ेगी।

पंजाब चुनाव अभियान से जुड़े भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने आईएएनएस को बताया कि अगले 2 दिनों में भाजपा गठबंधन के बीच सीटों का बंटवारा हो जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा प्रदेश की लगभग 80 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। आईएएनएस को मिली जानकारी के मुताबिक गठबंधन के बीच सीटों का बंटवारा हो जाने के बाद अगले सप्ताह चंडीगढ़ में पार्टी के प्रदेश कोर ग्रुप की बैठक में उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद प्रदेश इकाई द्वारा भेजे गए नामों की लिस्ट पर दिल्ली में भी पार्टी आलाकमान प्रदेश कोर ग्रुप के नेताओं के साथ बैठक कर चर्चा करेगा।

आपको बता दें कि गठबंधन के तीनों दलों के बीच सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय करने और संयुक्त घोषणा पत्र के लिए मुद्दों का ड्राफ्ट तैयार करने के मकसद से तीनों दलों ने अपने 2-2 नेताओं को शामिल कर 28 दिसंबर को एक 6 सदस्यीय संयुक्त कमेटी का गठन किया था। बताया जा रहा है कि इसी संयुक्त कमेटी की सिफारिश के आधार पर ही सीटों के बंटवारे का फैसला किया जाएगा।

पार्टी के चुनावी अभियान से जुड़े एक अन्य वरिष्ठ नेता ने आईएएनएस को बताया कि सीट बंटवारे का फॉर्मूला जीत के आधार पर ही तैयार किया गया है। आपको बता दें कि, पंजाब में 14 फरवरी को मतदान होना है।

सीएम के 80 बनाम 20 वाले बयान पर बोली प्रियंका, युवाओं के मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं योगी

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेन्सी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को कहा कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा इस विधानसभा चुनाव में 80 बनाम 20 फीसदी' की बात करना युवाओं के मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास है। उन्होंने एक खबर का हवाला देते हुए ट्वीट किया, उप्र के चुनावों में जैसी बातें करना चार सौ बीसी कर युवाओं के मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास है। असलियत यह है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार के कार्यकाल में प्रति 100 लोगों में से 68 के पास काम नहीं है।

प्रियंका गांधी ने कहा, मेरे युवा दोस्तों, अपनी शक्ति से उप्र के चुनावों को रोजगार, शिक्षा जैसे मुद्दों का चुनाव बनाएं। गौरतलब है कि योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि आगामी चुनाव 80 बनाम 20 फीसदी के बीच होगा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राष्ट्रवाद, सुशासन और विकास के मुद्दे पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा था, 80 फीसदी समर्थक एकतरफ होंगे, जबकि 20 फीसदी दूसरी तरफ। मुझे लगता है कि 80 फीसदी लोग सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेंगे जबकि 20 फीसदी ने हमेशा विरोध किया है, आगे भी विरोध करेंगे लेकिन सरकार भाजपा की आएगी। भाजपा फिर 'सबका साथ सबका विकास' के अभियान को आगे बढ़ाने का काम करेगी।

कर्नाटक में नहीं मान रही कांग्रेस, कोरोना के कोहराम के बीच निकाल रही 'पदयात्रा'

बेंगलुरु, 11 जनवरी (एजेन्सी)। कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी की पदयात्रा लगातार तीसरे दिन भी जारी है। आज भी प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार को लोगों की भारी भीड़ के बीच सड़कों पर देखा गया। आपको बता दें कि राज्य में लगातार कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। कल ही मुख्यमंत्री भी कोरोना पॉजिटिव हुए हैं।

आपको बता दें कि कोविड संबंधी नियमों के उल्लंघन के आरोप में सिद्धरमैया और डीके शिवकुमार समेत कई शीर्ष नेताओं पर पुलिस के मामला दर्ज करने के बावजूद पदयात्रा रूकी नहीं है। कावेरी नदी पर मेकेदातू बांध परियोजना का काम शुरू करने की मांग को लेकर कांग्रेस यह पदयात्रा निकाल रही है।

सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस के करीब 30 नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। सूत्रों के मुताबिक जिन प्रमुख लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है उनमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार, विधानसभा में विपक्ष के नेता सिद्धरमैया और बेंगलुरु ग्रामीण से सांसद डीके सकुरेश शामिल हैं। इसके अलावा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व केंद्रीय मंत्री वीरप्पा मोइली, पूर्व उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर, अभिनेता दुनिया विजय और संगीत निदेशक एवं अभिनेता साधु कोकिला के भी नाम प्राथमिकी में शामिल हैं।

कोविड नियमों को तोड़ने के आरोप में इन नेताओं के खिलाफ मामला रविवार को सथानुर पुलिस थाने में दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि यह मामला आपदा प्रबंधन कानून और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत कोविड संबंधी नियम तोड़ने और ऐहतियाती आदेश के तहत दर्ज किए गए हैं।

राज्य सरकार ने कोविड मामलों में बढ़ोतरी पर अंकुश लगाने के लिए 19 जनवरी तक वीकेंड कर्फ्यू और लोगों के एकत्र लोगों पर पाबंदी लगा दी है। इसके तहत रैली के आयोजन, धरना और विरोध-प्रदर्शन के आयोजन पर भी रोक लगा दी गई है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसव राज बोम्मई ने पदयात्रा जारी रखने पर कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि नियम तोड़ने वाले आयोजकों और इससे जुड़े महत्वपूर्ण लोगों के खिलाफ कानून काम करेगा।

शिवकुमार और सिद्धारमैया के नेतृत्व में रविवार को रामनगर जिले के कनकपुरा में कावेरी और अर्कावती नदी के संगम से 10 दिवसीय पदयात्रा शुरू हुई। 139 किलोमीटर तक चलने वाली इस पदयात्रा का विषय 'नम्मा नीरू नम्मा हक्कू' (हमारा पानी, हमारा अधिकार) है। बुखार के कारण रविवार शाम पदयात्रा से शहर लौटे सिद्धारमैया ने सोमवार को इसमें हिस्सा नहीं लिया। हालांकि, आज वह भी इसमें शामिल हुए।

सर्द हवाओं के चलते चार दिन में आठ डिग्री से ज्यादा गिरा पारा

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेन्सी)। सर्द हवाओं के चलते राजधानी दिल्ली के न्यूनतम तापमान में चार दिनों में ही आठ डिग्री से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते बीते शनिवार को न्यूनतम तापमान 15.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। जबकि, मंगलवार की सुबह दिल्ली के सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

पिछले सप्ताह राजधानी दिल्ली पर एक के बाद एक करके आए दो पश्चिमी विक्षोभों का असर देखने को मिला। इसके चलते दिल्ली के बड़े हिस्से में बारिश हुई और दिन के ज्यादातर समय घने बादल छाए रहे। घने बादलों के चलते जहां न्यूनतम तापमान में इजाफा हुआ था, वहीं अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई थी। पश्चिमी विक्षोभ के चलते होने वाले बादल और बारिश की गतिविधियां अब समाप्त हो चुकी हैं। जबकि, हवा की दिशा अब उच्च हिमालयी क्षेत्रों की तरफ से है, जहां पर हाल ही में जमकर बर्फबारी हुई है। इन सर्द हवाओं के चलते दिल्ली के लोग भी कंपकंपी महसूस कर रहे हैं। यहां तक कि बीते चार दिनों के बीच ही न्यूनतम पारा में आठ डिग्री से ज्यादा कि गिरावट दर्ज की गई है।

दिल्ली के मानक सफदरजंग मौसम केन्द्र में मंगलवार की सुबह न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। जो कि सामान्य से एक डिग्री कम है। इसकी शनिवार के न्यूनतम तापमान से करें तो आठ डिग्री से ज्यादा की गिरावट आई है। वहीं, यहां पर मंगलवार के दिन अधिकतम तापमान 18.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। जो कि सामान्य से दो डिग्री कम है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो-तीन दिनों के बीच सुबह के समय घना कोहरा देखने को मिल सकता है। जबकि, दिन के समय भी गलन भरी सर्द हवाएं लोगों को ठिठुराएंगी। बुधवार को तापमान 19 से आठ डिग्री सेल्सियस के बीच बने रहने की संभावना है।

दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में मंगलवार के दिन घना कोहरा देखने को मिला। मौसम विभाग के पालम केन्द्र में सुबह साढ़े छह बजे दृश्यता का स्तर गिरकर 50 मीटर तक पहुंच गया। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ ही धीरे-धीरे कोहरा साफ हुआ और धूप निकल आई। दिन के समय भी खिली हुई धूप निकली रही। लेकिन, सर्द हवाओं के चलते मौसम में ठिठुरन बनी रही। मौसम विभाग के मुताबिक रात के बाहर बजे के बाद अचानक से ही घना कोहरा छाने लगा, जिसके चलते दृश्यता के स्तर में गिरावट आई।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com